साप्ताहिक
# शहर सत्ता
PRGI NO. CTHIN/25/A2378
सोमवार, 04 मई से 10 मई 2026
हम दिखाएंगे आईना...

पेज 03 में...
टिकटों की मारामारी, 2500 वाली टिकटें मिनटों में 'आउट'

शहर सत्ता
गौरवशाली 1 वर्ष

पेज 12 में...
वो सच्ची खबरें जिसे हमनें प्रमुखता से उठाया

वर्ष : 02 अंक : 09 पृष्ठ : 12 मूल्य : 5 रुपए www.shaharsatta.com
पेज 09 छत्तीसगढ़ की जड़ी-बूटियों से महकेगा नारी शक्ति का स्वावलंबन

# हर हर 'विष्णु' घर घर 'देव'

## सुशासन तिहार : साय का प्रदेशव्यापी दौरा शुरू, जनता से सीधे संवाद

- 1 मई से 10 जून तक प्रदेशभर में सरकार का सुशासन तिहार
- सीएम साय के साथ प्रमुख सचिव सुबोध सिंह, विशेष सचिव रजत बंसल भी
- योजनाओं की समीक्षा और समस्याओं का 'ऑन द स्पॉट' समाधान भी करेंगे

### मुख्यमंत्री का 'राजमिस्त्री' अवतार

जब मुख्यमंत्री ने ग्राम चंदागढ़ में अनुसुइया पैंकरा के निर्माणाधीन प्रधानमंत्री आवास को देखा, तो वे खुद को रोक नहीं पाए। सीएम ने खुद हाथ में 'करणी' उठाई और ईंटें जोड़कर श्रमदान किया। उन्होंने वहां मौजूद राजमिस्त्री मोहन चक्रेश से उसकी मजदूरी और परिवार का हाल जाना। यह दृश्य प्रतीक बना कि प्रदेश की सरकार हर गरीब के 'पक्के घर' के सपने में हिस्सेदार है।

### ...और सीएम ने पहनाया अपना चश्मा

पूरे दौरे की सबसे चर्चित और भावुक तस्वीर 4 वर्षीय नन्हीं मानविका चौहान की रही। जब मुख्यमंत्री ने मानविका को गोद में उठाया और पूछा कि क्या बनोगी? तो तुतलाती आवाज में मिला जवाब- "डॉक्टर"। मुख्यमंत्री ने खुशी से अपना चश्मा निकालकर नन्हीं मानविका को पहना दिया। यह पल केवल एक तस्वीर नहीं, बल्कि उस विश्वास का नाम है जो प्रदेश का मुखिया आने वाली पीढ़ी में जगा रहा है।

### बच्चों के बीच 'ऑलराउंडर' साय

शासकीय प्राथमिक शाला चंदागढ़ के खेल मैदान में जब बच्चे क्रिकेट खेल रहे थे, तब मुख्यमंत्री अचानक उनके बीच पहुँच गए। उन्होंने न केवल बच्चों का हौसला बढ़ाया, बल्कि खुद बल्लेबाजी भी की। खेल सुविधाओं के लिए निर्देशित किया। स्थानीय खिलाड़ी प्रकाश ठाकुर से चर्चा के बाद सीएम ने तुरंत कलेक्टर को निर्देश दिए कि स्कूल के बच्चों को क्रिकेट किट और स्पोर्ट्स ड्रेस उपलब्ध कराई जाए।

"सुशासन का अर्थ केवल फाइलों का निपटारा नहीं, बल्कि हर नागरिक की समस्या का समयबद्ध समाधान है। हमारी सरकार का लक्ष्य है कि योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। 'सुशासन तिहार' इसी दिशा में एक जनआंदोलन है।" बंद कमरे के बजाय बरगद के पेड़ के नीचे बैठकर ग्रामीणों से सीधा संवाद किया। इसे 'जनचौपाल' का नाम दिया गया, जहां प्रोटोकॉल दरकिनार रही और भावनाएं सर्वोपरि रहीं। कहीं बेहतरीन बल्लेबाज बने मुख्यमंत्री, तो कहीं नन्हीं मानविका के सपनों को दी 'उड़ान' .मुख्यमंत्री के दौरे की सबसे खास बात उनकी सहजता रही। वे कहीं बड़े प्रशासनिक अधिकारी नहीं, बल्कि एक अभिभावक की भूमिका में नजर आए। बच्चों के साथ क्रिकेट खेलना हो या किसी मासूम को अपना चश्मा पहनाना, मुख्यमंत्री के इन छोटे-छोटे कदमों ने जनता के दिल में सुशासन तिहार के पहले दिन ही बड़ी जगह बना ली है।

*"सुशासन का अर्थ केवल फाइलों का निपटारा नहीं, बल्कि हर नागरिक की समस्या का समयबद्ध समाधान है। हमारी सरकार का लक्ष्य है कि योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। 'सुशासन तिहार' इसी दिशा में एक जनआंदोलन है।"*

***— विष्णुदेव साय, मुख्यमंत्री***

**शहर सत्ता/रायपुर।** रायपुर से लेकर जशपुर के सुदूर वनांचल तक, छत्तीसगढ़ की फिजां में इन दिनों 'सुशासन' की गूंज है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने 1 मई से 10 जून तक चलने वाले 'सुशासन तिहार' का आगाज खुद मैदान में उतरकर किया है। यह केवल एक प्रशासनिक दौरा नहीं, बल्कि जनता के भरोसे को और मजबूत करने की एक संवेदनशील पहल है। रविवार को जब मुख्यमंत्री का हेलीकॉप्टर जशपुर के वनांचल ग्राम चंदागढ़ में उतरा तो संदेश साफ था, अब विकास की फाइलें दफ्तरों में नहीं, जनता के बीच खुलेगी। छत्तीसगढ़ में 1 मई से सुशासन तिहार की शुरुआत हो चुकी है. आम जनता की समस्याओं के त्वरित और प्रभावी निराकरण के लिए जन समस्या निवारण शिविर लगाए जा रहे हैं. मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रदेशव्यापी दौरा शुरू है। अभियान में वह लोगों से रूबरू होकर सरकार की योजनाओं और कार्यक्रमों के क्रियान्वयन की स्थिति का फीडबैक लेंगे. मुख्यमंत्री साय रविवार सुबह पुलिस लाइन हेलीपेड पहुंचे और हेलिकॉपर से दौरे के लिए रवाना हुए. अभियान के तहत वह आम जनता के बीच पहुंचेंगे और उनसे योजनाओं का फीडबैक लेंगे. मुख्यमंत्री के साथ उनके प्रमुख सचिव सुबोध सिंह और विशेष सचिव रजत कुमार बंसल भी मौजूद हैं।

### औचक दौरा केवल एक प्रशासनिक निरीक्षण तक सीमित नहीं

मुख्यमंत्री साय का यह औचक दौरा केवल एक प्रशासनिक निरीक्षण तक सीमित नहीं रहा, बल्कि बच्चों के साथ बिताए गए उनके सहज और प्रेरणादायक क्षणों ने ग्रामीणों के मन में विशेष उत्साह और विश्वास का वातावरण निर्मित किया। यह दृश्य इस बात का प्रतीक बना कि शासन जब जमीनी स्तर पर पहुंचकर सीधे संवाद करता है, तो वह केवल योजनाओं की समीक्षा नहीं करता, बल्कि लोगों के जीवन में सकारात्मक ऊर्जा और प्रेरणा का संचार भी करता है।

### 1 मई से 10 जून तक सुशासन तिहार

सुशासन तिहार के तहत 1 मई से 10 जून 2026 तक प्रदेशभर में जन समस्या निवारण शिविर आयोजित किए जाएंगे. ग्रामीण क्षेत्रों में 15 से 20 ग्राम पंचायतों के समूह और शहरी क्षेत्रों में वार्ड क्लस्टर के आधार पर शिविर लगाए जाएंगे. इन शिविरों में न केवल जन समस्याओं का समाधान किया जाएगा, बल्कि शासन की योजनाओं के प्रति जन-जागरूकता भी बढ़ाई जाएगी. पात्र हितग्राहियों को मौके पर ही योजनाओं का लाभ प्रदान करने की व्यवस्था की जाएगी. शिविरों में प्राप्त आवेदनों का अधिकतम एक माह के भीतर निराकरण सुनिश्चित करने तथा प्रत्येक आवेदक को उसके आवेदन की स्थिति से अवगत कराने के भी निर्देश दिए गए हैं.

# तपती दोपहरिया में बरगद की छांव में जनचौपाल

**रायपुर।** सुशासन तिहार में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने जशपुर जिले के सुदूर वनांचल ग्राम चंदागढ़ में पहुंचकर संवेदनशील और जनकेंद्रित शासन की एक प्रभावशाली झलक प्रस्तुत की। मुख्यमंत्री का हेलीकॉप्टर जैसे ही चंदागढ़ में उतरा, ग्रामीणों ने उत्साह और आत्मीयता के साथ उनका भव्य स्वागत किया। मुख्यमंत्री सीधे पत्थलगांव विकासखंड के ग्राम भैंसामुड़ा पहुंचे, जहां उन्होंने बजरंग बली मंदिर में पूजा-अर्चना कर प्रदेश की सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना की। इसके बाद गांव के बीचों-बीच बरगद के विशाल पेड़ की शीतल छांव में जनचौपाल सजी।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि सुशासन तिहार 1 मई से 10 जून तक आयोजित किया जा रहा है और इसका उद्देश्य सरकार को जनता के द्वार तक ले जाना है, ताकि समस्याओं का समाधान मौके पर ही किया जा सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज वे जनता की समस्याएं सुनने आए हैं और ग्रामीणों की समस्या का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने ग्रामवासियों से राशन, नमक, शक्कर की उपलब्धता, पेयजल व्यवस्था, बिजली, पटवारी से संबंधित समस्याओं सहित विभिन्न मूलभूत सुविधाओं की जानकारी ली और अधिकारियों को त्वरित समाधान के निर्देश दिए।

## मुख्यमंत्री ने की कई महत्वपूर्ण घोषणाएं

मुख्यमंत्री साय ने ग्राम चंदागढ़ और भैंसामुड़ा के विकास के लिए कई महत्वपूर्ण घोषणाएं करते हुए सामुदायिक भवन निर्माण, मिनी स्टेडियम निर्माण, सीसी रोड निर्माण तथा बच्चों के लिए क्रिकेट किट और यूनिफॉर्म उपलब्ध कराने की घोषणा की। उन्होंने अधिकारियों को सामुदायिक भवन के लिए उपयुक्त स्थल का चयन करने के निर्देश भी दिए। इस दौरान मुख्यमंत्री साय ने विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन की जमीनी स्थिति का भी जायजा लिया। कलावती चौहान ने बताया कि गांव में महतारी वंदन योजना और प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ सभी पात्र हितग्राहियों को मिल रहा है, जिस पर मुख्यमंत्री ने संतोष व्यक्त किया।

## योजनाओं के लाभ के संबंध में की विस्तृत चर्चा

मुख्यमंत्री साय ने तेंदूपत्ता संग्रहण कार्य की स्थिति की जानकारी ली और चरण पादुका योजना के लाभ के संबंध में भी चर्चा की। उन्होंने बताया कि राज्य में श्री रामलला दर्शन योजना और मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के माध्यम से आमजन को धार्मिक और सामाजिक रूप से जोड़ा जा रहा है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायतों में स्थापित अटल डिजिटल सुविधा केंद्रों के माध्यम से अब आय, जाति, निवास प्रमाण पत्र सहित विभिन्न सेवाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध हो रही हैं और ग्रामीणों को ऑनलाइन बैंकिंग एवं अन्य सुविधाओं का भी लाभ मिल रहा है।

## जनचौपाल लगाकर सुनी ग्रामीणों की समस्या

मुख्यमंत्री ने जनचौपाल के दौरान ग्रामीणों की मांगों और समस्याओं को गंभीरता से सुना और अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी समस्याओं का प्राथमिकता के साथ समाधान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि सुशासन का वास्तविक अर्थ यही है कि शासन की योजनाएं अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे और लोगों को उनका लाभ समय पर मिले। इस अवसर पर विधायक पत्थलगांव गोमती साय, प्रमुख सचिव सुबोध कुमार सिंह, जनसंपर्क आयुक्त रजत बंसल, कलेक्टर रोहित व्यास, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उमेद सिंह सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित थे।

## जनसेवा का सीएम साय ने संदेश, किया श्रमदान

गांव से गुजरते समय उनकी नजर हितग्राही अनुसुइया पैंकरा के निर्माणाधीन घर पर पड़ी, जिसके बाद वे तुरंत वाहन से उतरकर मौके पर पहुंचे और निर्माण कार्य का बारीकी से अवलोकन किया.

निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री साय ने न केवल कार्य की गुणवत्ता को परखा, बल्कि वहां कार्यरत श्रमिकों से आत्मीय संवाद भी किया. उन्होंने उनके परिश्रम की सराहना करते हुए कहा कि यही मेहनत प्रदेश के विकास की वास्तविक ताकत है। इस दौरान मुख्यमंत्री की संवेदनशीलता और सादगी का एक अनूठा उदाहरण तब सामने आया, जब उन्होंने स्वयं करणी उठाकर सीमेंट-गारा से ईंट जोड़ते हुए श्रमदान किया. मुख्यमंत्री को अपने हाथों से निर्माण कार्य में सहभागी होते देख वहां उपस्थित ग्रामीण भावुक हो उठे. यह दृश्य केवल एक प्रतीकात्मक पहल नहीं, बल्कि जनसेवा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का सशक्त संदेश बन गया। हितग्राही अनुसुइया पैंकरा ने मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया और कहा कि उनका वर्षों पुराना सपना अब साकार हो रहा है. उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से उन्हें पक्का घर मिल रहा है, जिससे उनके परिवार का जीवन सुरक्षित और सम्मानजनक बनेगा।

## ‘लखपति दीदी’ की कहानी से मुख्यमंत्री हुए प्रभावित

जनचौपाल के दौरान मुख्यमंत्री साय ने “लखपति दीदी” सुमिला कोरवा और पुष्पलता चौहान से आत्मीय संवाद किया और उनके कार्यों की सराहना की। उन्होंने जाना कि महिला स्व-सहायता समूह की महिलाएं ईंट निर्माण, किराना दुकान और बीसी सखी जैसे कार्यों के माध्यम से आत्मनिर्भर बन रही हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रदेश में अब तक 8 लाख लखपति दीदी बन जा चुकी हैं, जबकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देशभर में यह संख्या 3 करोड़ से अधिक हो चुकी है, जो महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक बड़ा परिवर्तन है। मुख्यमंत्री श्री साय ने दुकान से ठंडा पानी और फलाहारी चिवड़ा खरीदा और स्वयं अपने पर्स से पैसे निकालकर भुगतान किया। जब सुमिला ने पैसे लेने से मना किया, तो मुख्यमंत्री श्री साय ने मुस्कुराते हुए कहा कि “यह आपके मेहनत का हक है, इसे जरूर स्वीकार कीजिए।” उन्होंने सुमिला के परिश्रम की सराहना करते हुए कहा कि वनांचल क्षेत्र में रहकर लोगों की जरूरतों का ध्यान रखना बेहद सराहनीय है और यह अन्य महिलाओं के लिए प्रेरणा है। सुमिला ने बताया कि पहले वे खेती-बाड़ी में अपने परिवार का सहयोग करती थीं, लेकिन बाद में उन्होंने गांव में ही रोजगार के अवसर को देखते हुए दुकान शुरू करने का निर्णय लिया। आज उनकी दुकान गांव में अच्छी तरह चल रही है।

## सरगुजा के ग्राम सिलमा में अचानक उतरा मुख्यमंत्री का हेलीकॉप्टर

‘सुशासन तिहार 2026’ के अंतर्गत मुख्यमंत्री विष्णु देव साय सरगुजा जिले के बतौली विकासखंड के ग्राम पंचायत सिलमा के शांतिपारा पहुंचे, जहां उन्होंने जन चौपाल के माध्यम से ग्रामीणों से सीधे संवाद किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने न केवल योजनाओं के क्रियान्वयन की जमीनी स्थिति का जायजा लिया, बल्कि आम नागरिकों की समस्याओं को सुनकर उनके त्वरित निराकरण के निर्देश भी दिए। जन चौपाल में उपस्थित ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री श्री साय के समक्ष अपनी समस्याएं और मांगें रखीं, जिन पर मुख्यमंत्री ने संवेदनशीलता के साथ संज्ञान लेते हुए अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि प्रत्येक आवेदन का समयसीमा में समाधान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि शासन का उद्देश्य केवल योजनाएं बनाना नहीं, बल्कि उनका लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है। इस दौरान ग्राम सुआरपारा निवासी राजेश शुक्ला ने अपनी आर्थिक कठिनाइयों का जिक्र करते हुए बिजली बिल माफी और आर्थिक सहायता के लिए आवेदन प्रस्तुत किया। मुख्यमंत्री ने तत्काल मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए मामले पर संज्ञान लिया और आश्वस्त किया कि उनकी स्थिति को देखते हुए बिजली बिल माफी की प्रक्रिया पूरी की जाएगी, साथ ही आवश्यक आर्थिक सहायता भी उपलब्ध कराई जाएगी।

# सिंडिकेट पर 'सुशासन' की मार

## छत्तीसगढ़ संवाद में सिंडिकेट का भंडाफोड़ होते ही एक्शन शुरू

- दस सूत्रीय जांच के साथ 'संवाद' में पारदर्शिता की नई शुरुआत
- प्रिंटर्स सिंडिकेट के बाद विज्ञापन सिंडिकेट चलाने वालों की शामत

**शहर सत्ता/रायपुर। सीएम** विष्णुदेव साय के विभाग में पारदर्शिता की नई पहल से साफ हो गया है कि मनमर्ज़ी नहीं चलेगी। छत्तीसगढ़ संवाद के प्रिंटिंग टेंडर में हुए कथित सिंडिकेट और घोटाले के खुलासे के बाद जनसंपर्क विभाग पूरी तरह एक्शन मोड में आ गया है। टेंडर घोटाले की जांच और 10 सूत्रीय समीक्षा से व्यवस्था को दुरुस्त करने की कवायद शुरू हो गई है। "संवाद में सिंडिकेट" का भंडाफोड़ करने वाली खबर के प्रकाशन के बाद जनसंपर्क आयुक्त एवं सीईओ संवाद, रजत बंसल ने त्वरित और साहसिक कदम उठाते हुए पूरी व्यवस्था को दुरुस्त करने का बीड़ा उठाया है। मुख्यमंत्री के विजन के अनुरूप विभाग में पारदर्शिता और सुशासन स्थापित करने के लिए आयुक्त ने न केवल संदिग्ध टेंडर को तत्काल निरस्त किया, बल्कि अनियमितताओं में संलिप्त अधिकारियों को भी किनारे लगा दिया है। इसके बाद जल्द ही विज्ञापन सिंडिकेट चलाने वालों की शामत आएगी।

28 अप्रैल 2026 को प्रकाशित खबर

### जनसंपर्क आयुक्त का साहसिक एक्शन

2012 बैच के आईएएस अधिकारी रजत बंसल के पदभार संभालते ही संवाद के भीतर सालों से जड़ें जमाए बैठे प्रिंटर्स के सिंडिकेट और भ्रष्ट तंत्र को बड़ा झटका लगा है। उन्होंने आते ही पूरे सिस्टम को ऑनलाइन करने के निर्देश दिए हैं ताकि किसी भी स्तर पर कोई हेरफेर न हो सके। उन्होंने संवाद के कर्मचारियों और अधिकारियों को सख्त चेतावनी दी है कि किसी भी प्रकार की अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

### 10 सूत्रीय समीक्षा बैठक: पारदर्शिता की ओर कदम

पारदर्शिता सुनिश्चित करने और संवाद की कार्यप्रणाली को पटरी पर लाने के लिए आयुक्त रजत बंसल ने एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक बुलाई। जांच और सुधार के लिए निम्नलिखित 10 बिंदुओं पर जोर दिया गया है:

**कार्य का आकलन:-** पिछले दो वर्षों में संवाद के माध्यम से कुल कितना कार्य किया गया है और शीर्ष पांच विभाग कौन से हैं, जिन्होंने इसके माध्यम से काम कराया है।

**इम्पैनलमेंट की जांच:-** विभिन्न श्रेणियों में कितने प्रिंटर इम्पैनल हैं और कितनों को कार्य मिला या वंचित रखा गया, इसका पूरा ब्यौरा तैयार किया जा रहा है।

**टेंडर प्रक्रिया की समीक्षा:-** टेंडर के लिए ₹40,000 की सीमा निर्धारित करने का आधार क्या है और इसमें किस प्रकार की विसंगतियां रहीं।

**गुणवत्ता नियंत्रण:-** मुद्रित सामग्री की गुणवत्ता की जांच की प्रक्रिया क्या है? क्या केवल GSM और साइज के अलावा भी गुणवत्ता के अन्य मानकों का सख्ती से पालन हो रहा है।

**वितरण व्यवस्था:-** मुद्रित सामग्री के वितरण की क्या व्यवस्था है और क्या एजेंसी सीधे विभाग तक सामग्री पहुंचाती है।

**संतुष्टि का प्रावधान:-** सामग्री प्राप्त होने के बाद विभागों के लिए आपत्ति या संतुष्टि दर्ज करने की व्यवस्था की समीक्षा।

**भुगतान की समय-सीमा:-** बिल भेजने से लेकर प्रिंटर को भुगतान होने तक की औसत अवधि की जांच, जिससे किसी भी तरह की देरी या पक्षपात को रोका जा सके।

**भुगतान का माध्यम:-** भुगतान ऑनलाइन माध्यम से हो रहा है या चेक के जरिए, इसकी पूरी पड़ताल की जाएगी।

### सुशासन और पारदर्शिता की शुरुआत

विभागीय सूत्रों के अनुसार, रजत बंसल की इस त्वरित और सख्त कार्यशैली से मुद्रण माफियाओं और उनके सिंडिकेट में हड़कंप मच गया है। जिस तरह से उन्होंने संवाद के एक-एक बाबू और कंप्यूटर ऑपरेटर तक से सीधे संवाद कर गड़बड़ियों को जड़ से समाप्त करने का निर्णय लिया है, उससे यह स्पष्ट है कि अब मुख्यमंत्री के इस विभाग में 'सुशासन तिहार' की शुरुआत हो चुकी है। जनसंपर्क आयुक्त का यह कदम शासन की छवि को और अधिक पारदर्शी बनाने में बेहद कारगर साबित हो रहा है।

## अंधविश्वास की भेंट चढ़ी 18 साल की योगिता

**रायपुर |** 2 मई 2026 अंधविश्वास के नाम पर एक युवती को तड़पा-तड़पाकर मार डालने वाली पाखंडी महिला को कोर्ट ने उम्रकैद की सजा सुनाई है। इलाज के नाम पर खौफनाक खेल खेलने वाली इस महिला ने न केवल एक परिवार की उम्मीदों को तोड़ा, बल्कि एक मासूम जान भी ले ली। गरियाबंद जिले के ग्राम सुरसाबांधा की रहने वाली ईश्वरी साहू ने मानसिक रूप से बीमार 18 वर्षीय योगिता सोनवानी को झाड़-फूंक के जाल में फंसाया। राजिम थाना क्षेत्र के इस मामले में कोर्ट ने आरोपी ईश्वरी साहू को दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास और दो लाख रुपये के अर्थदंड की सजा सुनाई है। आरोपी महिला युवती के शरीर पर गर्म पानी और जड़ी-बूटी मिला तेल डालती थी। वह युवती के ऊपर चढ़कर अपने पैरों से दबाव बनाती थी, जिसे वह 'ईसा मसीह का चमत्कार' बताती थी। परिजनों को डराया गया कि यदि किसी को कुछ बताया तो 'ईसा नाराज हो जाएंगे', जिसके कारण डरे हुए माता-पिता चुप रहे। योगिता की मौत प्राकृतिक नहीं बल्कि शारीरिक प्रताड़ना का नतीजा थी। डॉक्टरों द्वारा कोर्ट में पेश की गई पोस्टमार्टम रिपोर्ट ने सबको झकझोर कर रख दिया। युवती की तीसरी, चौथी और पांचवीं पसली टूटी हुई पाई गई। दाहिने फेफड़े में खून जमा था और उसके एयर बबल फट चुके थे।

# छत्तीसगढ़ शराब घोटाला ED की सर्जिकल स्ट्राइक

**₹5.39 करोड़ की नई संपत्ति ज़ब्त, 3 किलो सोना और कैश बरामद**

**रायपुर |** छत्तीसगढ़ में शराब घोटाले की जड़ें कितनी गहरी हैं, इसका अंदाज़ा ED की ताज़ा कार्रवाई से लगाया जा सकता है। 30 अप्रैल को प्रदेश के 13 ठिकानों पर हुई छापेमारी के बाद प्रवर्तन निदेशालय ने आधिकारिक खुलासा किया है कि इस बार ₹5.39 करोड़ की संपत्ति ज़ब्त की गई है, जिसमें 3.2 किलो सोना और भारी मात्रा में नकदी शामिल है।

### कारोबारी और सीए निशाने पर

ED ने इस बार अपनी जांच का दायरा बढ़ाते हुए उन लोगों पर शिकंजा कसा है, जिन पर 'काले धन' को 'सफेद' करने का संदेह है। भाजपा नेता और 'अमर इंफ्रा' के संचालक चतुर्भुज राठी और गोविंद मंडल के ठिकानों पर दबिश दी गई। बड़े सर्राफा व्यापारी विवेक अग्रवाल और 'श्री राम ज्वेलर्स' की जांच की गई।

अब तक का 'एक्शन रिपोर्ट कार्ड'इस घोटाले की जांच जिस रफ़्तार से आगे बढ़ रही है, उसके आंकड़े चौंकाने वाले हैं:विवरणआंकड़ेकुल अवैध कमाई (अनुमानित)₹2,883 करोड़अब तक कुर्क (Attach) संपत्ति₹380 करोड़कुल आरोपी81गिरफ्तारियां9 (रिटायर्ड IAS, नेता और अफसर)

ED की जांच में खुलासा हुआ है कि साल 2019 में रायपुर के एक होटल में इस घोटाले की नींव रखी गई थी। अनवर ढेबर और तत्कालीन अफसरों के सिंडिकेट ने सरकारी सिस्टम को दरकिनार कर अवैध कमाई के लिए तीन रास्ते अपनाए थे:

**कमीशन का खेल:** डिस्टलरी मालिकों से प्रति पेटी शराब पर फिक्स कमीशन वसूली।

**सरकारी दुकानों में अवैध बिक्री:** बिना हिसाब-किताब के 'कच्ची' शराब सरकारी काउंटरों से बेची गई।

**लाइसेंस और सप्लाई में धांधली:** पसंदीदा वेंडर्स को फायदा पहुँचाने के लिए नियमों को ताक पर रखा गया।

# लेक्चरर में 'डॉन' बनने की सनक और अपराध का डिजिटल ग्लैमराइजेशन

**एक शिक्षिका का सोशल मीडिया में हाथों में नंगी तलवार लहराने वाला वीडियो वायरल**

**शहर सत्ता/रायपुर।** आजकल इंस्टाग्राम खोलते ही रायपुर के लड़के ही नहीं बलकि लड़कियां भी घातक हथियारों का नंगा प्रदर्शन करते दिख रहे हैं। अब तक टीन एजर लड़के बेलगाम हो रहे थे उन्हें मात देने वाली लड़कियां भी उनसे काम नहीं हैं। ऐसी ही एक लड़की की इंस्टाग्राम प्रोफाइल्स पर उसके हाथ में नंगी तलवार वाली फोटो-वीडियो खूब वायरल हो रही है। चौंकाने वाली बात यह है कि तलवार हाथ में लेकर लहराने वाली यह कथित फोटो-वीडियो में दिखाई दे रही लड़की शिक्षिका(लेक्चरर)है। उसके प्रोफइल में युवती का नाम श्रद्धा शर्मा है जो पेशे से खुद को लेक्चरर बताती है। पड़ताल करने पर तस्दीक हुई कि श्रद्धा शर्मा पंडित गिरजा शंकर आत्मानंद स्कूल रायपुरा में बच्चों को पढ़ाती हैं। सोशल मीडिया में रायपुर पुलिस कमिश्नरेट चमकता हुआ चाकू, लहराती तलवार या अवैध कट्टे के साथ वीडियो दिखाने वालों पर पर खासी सख्त है। अब देखना यह है कि लड़कों पर ही पुलिस की कार्रवाई होगी या ऐसी लड़कियों के खिलाफ भी उनके कानून में कोई प्रावधान है ? एक शिक्षिका का यह बर्ताव और हाथों में नग्न तलवार लिए प्रदर्शन स्कूली बच्चों के लिए कितना शिक्षाप्रद होगा यह पुलिस कमिश्नरेट बताएगा। बता दें कि धमकी भरे लहजे, बैकग्राउंड में 'खलनायक' वाले डायलॉग और हथियारों का यह खुला प्रदर्शन एक गंभीर सामाजिक समस्या की ओर इशारा कर रहा है। हथियार का यूं प्रदर्शन करना सिर्फ लड़कों के लिए नहीं अपितु महिलाओं के लिए भी आम हो गया है।

### सोशल मीडिया बना 'दहशत' का नया ठिकाना

राजधानी और आसपास के इलाकों में यह चलन तेजी से बढ़ा है कि अगर आपको इलाके में दबदबा बनाना है, तो सोशल मीडिया पर खौफ पैदा करना जरूरी है। युवाओं का एक बड़ा वर्ग केवल 'लाइक्स' और 'फॉलोअर्स' की भूख में अपराध की ओर आकर्षित हो रहा है। सोशल मीडिया पर खुद को 'ताकतवर' दिखाने की यह कोशिश असल जिंदगी में उन्हें सलाखों के पीछे पहुँचा रही है। रायपुर पुलिस इस डिजिटल गैंगवार और दिखावे को लेकर अब पूरी तरह अलर्ट मोड पर है।

## रायपुर में IPL का रोमांच: 10 मई को RCB बनाम MI की भिड़ंत

# टिकटों की मारामारी, 2500 वाली टिकटें मिनटों में 'आउट'

**रायपुर |** राजधानी रायपुर के आसमान पर क्रिकेट का बुखार चढ़ने लगा है। 10 मई को होने वाले रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (RCB) और मुंबई इंडियंस (MI) के हाई-वोल्टेज मुकाबले के लिए ऑनलाइन टिकटों की बिक्री शुरू होते ही फैंस के बीच होड़ मच गई।

### क्या बिका और क्या है बाकी?

**सोल्ड आउट:** मैच की सबसे सस्ती 2500 रुपए वाली टिकटें विंडो खुलते ही कुछ ही मिनटों में बिक गईं।

**उपलब्ध सीटें:** फिलहाल 3300 रुपए से लेकर 8000 रुपए की टिकटें बुक कर सकते हैं।

**अगला मौका:** 12 मई को होने वाले RCB vs KKR मैच के लिए टिकटों की बुकिंग 4 मई से शुरू होगी।

**बुकिंग लिंक:** टिकट केवल आधिकारिक वेबसाइट https://shop.royalchallengers.com/ticket पर उपलब्ध हैं।

**डिजिटल सुरक्षा:** 'M-टिकट' और QR कोड का पहरा

### ब्लैक मार्केटिंग और फर्जीवाड़े को रोकने कड़े सुरक्षा इंतज़ाम

**QR कोड एक्सेस:** एंट्री के लिए फिजिकल टिकट की जरूरत नहीं होगी, लेकिन सुरक्षा कारणों से QR कोड मैच वाले दिन गेट खुलने के कुछ समय पहले ही एक्टिव होगा।

**ट्रांसफर पॉलिसी:** एक M-टिकट को केवल एक बार ही ट्रांसफर किया जा सकेगा।

**बुकिंग लिमिट:** एक मोबाइल नंबर से अधिकतम 4 टिकट ही खरीदे जा सकते हैं।

### दर्शकों के लिए महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश

RCB की टीम 8 मई को रायपुर पहुँचेगी और करीब 6 दिनों तक यहाँ अभ्यास करेगी। गेट दोपहर 3:30 बजे खुलेंगे। एक बार बाहर निकलने के बाद दोबारा एंट्री (Re-entry) नहीं मिलेगी। 2 साल से अधिक उम्र के बच्चों के लिए अलग से टिकट लेना अनिवार्य है।

### नवा रायपुर में RCB और MI की भिड़ंत देखेंगे छत्तीसगढ़ के मेधावी छात्र

**रायपुर |** छत्तीसगढ़ के 10वीं और 12वीं बोर्ड परीक्षा की मेरिट लिस्ट में अपना नाम दर्ज कराने वाले छात्र अब केवल किताबों तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि वे दुनिया की सबसे चर्चित क्रिकेट लीग 'IPL' के गवाह बनेंगे। स्कूल शिक्षा विभाग ने राज्य के टॉपर्स को प्रोत्साहन देने के लिए उन्हें 10 मई 2026 को होने वाला हाई-वोल्टेज मुकाबला दिखाने का फैसला लिया है। नवा रायपुर स्थित शहीद वीर नारायण सिंह इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में होने वाले इस मैच में दिग्गज टीमें, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (RCB) और मुंबई इंडियंस, एक-दूसरे के आमने-सामने होंगी। जनसंपर्क विभाग के निर्देश पर लिए गए इस फैसले को स्कूल शिक्षा विभाग ने "सर्वोच्च प्राथमिकता" दी है, ताकि बच्चों के उत्साह को नई उड़ान मिल सके।

# ओडिशा के जंगलों में 'हाईटेक' नशे का खेल

## ₹100 करोड़ की मोबाइल ड्रग फैक्ट्री का पर्दाफाश, पुलिस की सर्जिकल स्ट्राइक

**जगदलपुर |** गांजा तस्करी के लिए कुख्यात ओडिशा अब देश के 'ड्रग हब' के रूप में उभर रहा है। मलकानगिरी के चित्रकोंडा के दुर्गम जंगलों में कोरापुट रेंज के डीआईजी डॉ. केवी सिंह के नेतृत्व में एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया गया है, जहाँ पुलिस ने एक चलती-फिरती अत्याधुनिक ड्रग फैक्ट्री को ध्वस्त कर दिया।

### 'मोबाइल हशीश फैक्ट्री': मिनटों में गायब होने वाला सेटअप

यह कार्रवाई इसलिए चौंकाने वाली है क्योंकि तस्करों ने जंगल के भीतर किसी साधारण अड्डे के बजाय एक 'मोबाइल यूनिट' तैयार की थी।

**डिजिटल और पोर्टेबल सेटअप:** इस पूरी फैक्ट्री को इस तरह डिजाइन किया गया था कि पुलिस की भनक लगते ही इसे मिनटों में समेटकर दूसरी लोकेशन पर शिफ्ट किया जा सके।

**टरनेशनल प्रोसेसिंग:** यहाँ केवल गांजा जमा नहीं किया जाता था, बल्कि अत्याधुनिक उपकरणों के जरिए गांजे को प्रोसेस कर अंतरराष्ट्रीय बाजार के लिए कीमती हशीश ऑयल तैयार किया जा रहा था।

**बरामदगी:** पुलिस ने मौके से 800 लीटर हशीश ऑयल ज़ब्त किया है, जिसकी कीमत करीब ₹100 करोड़ आंकी गई है। साथ ही 50 किलो गांजा और ऑयल बनाने के हाईटेक उपकरण भी मिले हैं।

### मलकानगिरी-कोरापुट बेल्ट बना 'हॉटस्पॉट'

मलकानगिरी और कोरापुट का यह दुर्गम इलाका लंबे समय से नशे के सौदागरों का सुरक्षित ठिकाना बना हुआ है।

**संगठित सिंडिकेट:** पुलिस की दबिश के दौरान तस्कर जंगल का फायदा उठाकर भागने में सफल रहे, जो इस बात की ओर इशारा करता है कि यह नेटवर्क बेहद संगठित है और इसकी जड़ें बहुत गहरी हैं।

**देशव्यापी सप्लाई:** इस हॉटस्पॉट से तैयार किया गया नशा न केवल ओडिशा और छत्तीसगढ़, बल्कि देशभर के बड़े शहरों में सप्लाई किया जा रहा है।

### सुरक्षा एजेंसियों की चुनौती

जंगल की आड़ में चल रही इस 'सर्जिकल कार्रवाई' ने यह साबित कर दिया है कि तस्कर अब केवल माल ढोने तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वे दुर्गम इलाकों में ही प्रोसेसिंग यूनिट लगाकर पुलिस को खुली चुनौती दे रहे हैं। फिलहाल फरार तस्करों की तलाश और इस बड़े नेटवर्क को जड़ से उखाड़ने के लिए जांच तेज कर दी गई है।

## मरवाही वन मंडल में 'ऑपरेशन क्लीन': 122 पेड़ों की अवैध कटाई पर डिप्टी रेंजर निलंबित

**गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही |** छत्तीसगढ़ के जंगलों में माफियाओं की पैठ और मैदानी अमले की लापरवाही एक बार फिर उजागर हुई है। गौरेला वनपरिक्षेत्र के अंतर्गत पीपरखूंटी बीट में सागौन और साल समेत कुल 122 बहुमूल्य पेड़ों को अवैध तरीके से काट दिया गया। इस मामले में प्रशासन ने सख्त कार्रवाई करते हुए डिप्टी रेंजर संतराम रजक को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। रायपुर के राज्य स्तरीय उड़नदस्ता दल और बिलासपुर वृत्त की संयुक्त टीम ने जब मौके पर जाकर पड़ताल की, तो वहां की स्थिति ने सुरक्षा दावों की पोल खोल दी:

- **बीट गार्ड पर भी पहले गिर चुकी है गाज**

**ठूंठों का अंबार:** कक्ष क्रमांक 2305, 2325, 2301, 2300 और 2299 पीएफ में विभिन्न प्रजातियों के पेड़ों के ठूंठ पाए गएँ

**वनोपज गायब:** मौके पर लकड़ी (वनोपज) का एक टुकड़ा भी बरामद नहीं हुआ, जिससे यह स्पष्ट हो गया कि तस्करों ने बड़े पैमाने पर संगठित होकर कटाई की और कीमती लकड़ी ठिकाने लगा दीं

**राजस्व का नुकसान:** इस अवैध कटाई से करीब 2,60,082 रुपये के आर्थिक नुकसान का अनुमान लगाया गया हैं

### लापरवाही की चेन: अब तक कौन-कौन नपा?

जांच में पाया गया कि वन सुरक्षा में घोर लापरवाही बरती गई और क्षेत्र का नियमित भ्रमण नहीं किया गया। इसके चलते कार्रवाई की आंच अधिकारियों तक पहुँच रही है:

**बीट गार्ड:** सबसे पहले वनमंडलाधिकारी ग्रीष्मी चांद ने बीट गार्ड दीपक सिदार को निलंबित किया थीं

**डिप्टी रेंजर:** जांच रिपोर्ट के आधार पर अब डिप्टी रेंजर संतराम रजक को भी पद से हटा दिया गया हैं

**रेंजर पर संशय:** गौरेला रेंजर प्रबल कुमार दुबे के निलंबन का प्रस्ताव भी उच्च स्तर पर भेजा गया है, जिस पर निर्णय आना बाकी है।

## रेप करने वाले कृषि अधिकारी को उम्रकैद

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ के बालोद के रहने वाले कृषि विस्तार अधिकारी देवनारायण साहू को रेप के आरोप में उम्रकैद की सजा हुई है। आरोपी ने प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी के दौरान अपनी कॉलेज की फ्रेंड से दोस्ती की थी, कई सालों के अफेयर के बाद उसे शादी का झांसा दिया और शारीरिक संबंध बनाए। साल 2024 में जब देवनारायण की गवर्नमेंट जॉब लगी तो उसने युवती को 'नीची जाति' की सतनामी कहकर शादी से साफ मना कर दिया। 2 मई को इस केस में रायपुर की स्पेशल कोर्ट ने आरोपी को SC/ST एक्ट समेत कई धाराओं में दोषी माना और उसे उम्रकैद की सजा सुनाई। सरकारी वकील उमाशंकर वर्मा ने बताया कि, पीड़िता बिलासपुर जिले की रहने वाली है। वो देवनारायण साहू के साथ जगदलपुर के एग्रीकल्चर कॉलेज में साथ पढ़ती थी। बाद में दोनों रायपुर में एग्रीकल्चर कोचिंग भी करने लगे। इसी दौरान आरोपी ने युवती को प्रपोज किया। पीड़िता ने कोर्ट में बताया कि उसने शुरुआत में रिलेशनशिप से मना कर दिया था, क्योंकि दोनों की जाति अलग थी और उसे शादी होने की उम्मीद नहीं थी। लेकिन आरोपी ने भरोसा दिलाया कि नौकरी लगने के बाद शादी करेगा।

## जांजगीर-चांपा में मवेशी तस्करी सिंडिकेट का भंडाफोड़, 5 गिरफ्तार

- **ओडिशा के बूचड़खानों तक फैली तस्करी की जड़ें**

**जांजगीर-चांपा |** छत्तीसगढ़ से मवेशियों को अवैध रूप से पड़ोसी राज्यों में खपाने वाले एक अंतर्राज्यीय गिरोह पर पुलिस ने सर्जिकल स्ट्राइक की है। शिवरीनारायण पुलिस की इस कार्रवाई में न केवल मवेशियों को बचाया गया, बल्कि तस्करी में इस्तेमाल हो रहे संसाधनों को भी ज़ब्त किया गया हैं

### हजारों के मवेशी और लाखों के वाहन ज़ब्त

पुलिस ने छापेमारी के दौरान तस्करी के पूरे तंत्र को अपनी चपेट में ले लिया:

**मवेशियों की बरामदगी:** आरोपियों के कब्जे से 15 नग भैंस बरामद की गई हैं, जिन्हें बूचड़खाने ले जाया जा रहा था।

**आर्थिक प्रहार:** ज़ब्त किए गए मवेशियों की कीमत करीब 2 लाख 25 हजार रुपये आंकी गई है।

**परिवहन तंत्र ध्वस्त:** तस्करी में प्रयुक्त तीन पिकअप वाहन ज़ब्त किए गए हैं, जिनकी बाजार में कीमत लगभग 18 लाख रुपये है।

### ओडिशा से जुड़े हैं तार

पकड़े गए सभी पांचों आरोपी ओडिशा के रहने वाले हैं, जो छत्तीसगढ़ की सीमा पार कर अवैध कारोबार को अंजाम दे रहे थे। गिरफ्तार आरोपियों के नाम इस प्रकार हैं: मुकेश ऐडजा, राजेश मांझी, निरंजन कोलारी, रूपेश कुमार, प्रकाश राणा। ये सभी आरोपी ओडिशा के बरगढ़ जिले के निवासी हैं। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की है। आरोपियों पर छत्तीसगढ़ कृषक पशु परिवहन अधिनियम 2004 की धारा 4, 6 और 10 के साथ पशु क्रूरता अधिनियम की धारा 11(घ) के तहत मामला दर्ज किया गया है।

## मरवाही में 'जंगल राज': 1000 से ज्यादा सागौन के पेड़ों पर चली कुल्हाड़ी

**गौरेला-पेंड्रा-मरवाही |** मरवाही वन मंडल के पंडरीपानी बीट से सामने आई तस्वीरें रूह कँपा देने वाली हैं। यहाँ 102 हेक्टेयर में फैले सागौन प्लांटेशन को तस्करों ने लगभग मैदान में तब्दील कर दिया है। 1000 से अधिक पेड़ों की अवैध कटाई की खबर प्रमुखता से सामने आने के बाद अब डीएफओ (DFO) समेत पूरा अमला मौके पर जाँच के लिए पहुँचा है।

### डबरी के भीतर मिला तस्करों का 'खजाना'

जाँच के दौरान वन विभाग की टीम उस वक्त हैरान रह गई जब उन्हें पता चला कि तस्करों ने पकड़े जाने के डर से सागौन की लकड़ियों को प्लांटेशन के पास स्थित एक तालाबनुमा डबरी (छोटा तालाब) के पानी में डुबोकर छिपा दिया था।

**बरामदगी:** डबरी के भीतर से भारी मात्रा में सागौन के लट्ठे बरामद किए जा रहे हैं।

**सर्च ऑपरेशन:** विभाग की टीम अब आसपास के घरों की तलाशी भी ले रही है, जहाँ से बड़ी मात्रा में अवैध लकड़ी मिलने की पुष्टि हुई है।

### सिंडिकेट और रसूखदारों की मिलीभगत की आशंका

सागौन एक 'राष्ट्रीय एकीकृत प्रजाति' है जिसके संरक्षण पर सरकार करोड़ों खर्च करती है। इतने बड़े पैमाने पर हुई कटाई किसी छोटे अपराधी का काम नहीं लग रही है।

**बड़ा नेटवर्क:** आशंका जताई जा रही है कि इस खेल में आरा मिल संचालकों और फर्नीचर व्यवसायियों का एक बड़ा सिंडिकेट शामिल है।

**सुक्ष्म जाँच की मांग:** यदि इस मामले की गहराई से जाँच की जाए, तो कई रसूखदार नाम इस 'ग्रीन क्राइम' में सामने आ सकते हैं।

### विभाग की 'कुंभकर्णी नींद' और जवाबदेही पर सवाल

स्थानीय ग्रामीणों का आरोप है कि वे पिछले कई महीनों से इस अवैध कटाई की शिकायत कर रहे थे, लेकिन विभाग मौन रहा।

**लापरवाही कुबूल:** डीएफओ ग्रीष्मी चांद ने प्रथम दृष्टया विभागीय लापरवाही को स्वीकार किया है और दोषियों पर कार्रवाई का भरोसा दिलाया है।

## संपादकीय

• सुकांत राजपूत

# 'जन' की दहलीज़ पर 'सत्ता'

छत्तीसगढ़ में एक मई से दस जून तक मनाया जा रहा 'सुशासन तिहार' महज एक प्रशासनिक कवायद नहीं है, बल्कि यह राज्य के नेतृत्व और आम जनता के बीच स्थापित हो रहे अटूट विश्वास का प्रतीक है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का जिस आत्मीय अंदाज में जशपुर के सुदूर वनांचल ग्राम चंदागढ़ और भैंसामुड़ा में आगमन हुआ, उसने यह सिद्ध कर दिया है कि सुशासन केवल फाइलों और वातानुकूलित कमरों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह गांवों की पगडंडियों और खेतों-खलिहानों तक पहुंच रहा है। मुख्यमंत्री का यह प्रदेशव्यापी दौरा और जन समस्या निवारण शिविरों का आयोजन इस बात का स्पष्ट संकेत है कि अब सरकार आम जन की चौखट तक खुद चलकर आ रही है।

जब एक प्रदेश का मुखिया प्रोटोकॉल और औपचारिकताएं तोड़कर बरगद के पेड़ की छांव में जनचौपाल लगाता है और ग्रामीणों से सीधे पूछता है कि उन्हें राशन, नमक और शक्कर मिल रहा है या नहीं, तो यह लोकतांत्रिक व्यवस्था की सबसे सुंदर तस्वीर होती है। मुख्यमंत्री ने लखपति दीदी योजना की हितग्राहियों से संवाद कर महिला सशक्तिकरण को नई ऊर्जा दी है। इसके साथ ही, उनका एक अलग ही रूप तब देखने को मिला जब वे प्रधानमंत्री आवास योजना के निर्माणाधीन घर की दीवार पर ईंट जोड़कर श्रमदान करने लगे। यह केवल एक प्रतीकात्मक पहल नहीं है, बल्कि यह संदेश देता है कि सरकार हर गरीब के पक्के मकान के सपने में बराबर की भागीदार है।

इस दौरे की सबसे भावुक और प्रेरणादायक झलक तब देखने को मिली जब मुख्यमंत्री ने चार वर्षीय नन्हीं बच्ची मानविका चौहान को अपनी गोद में उठाया और उसका डॉक्टर बनने का सपना जानने के बाद अपना चश्मा उसे पहना दिया। यह क्षण दर्शाता है कि एक संवेदनशील नेतृत्व किस प्रकार आने वाली पीढ़ी के सपनों को प्रोत्साहन देता है। बच्चों के साथ क्रिकेट खेलना और स्थानीय युवाओं के लिए खेल किट जैसी सुविधाओं की घोषणा करना यह बताता है कि सरकार शिक्षा के साथ-साथ ग्रामीण खेल प्रतिभाओं के समग्र विकास के प्रति भी अत्यंत गंभीर है। 'सुशासन तिहार' के तहत एक माह के भीतर आवेदनों के निराकरण की समय-सीमा तय करना, पारदर्शी और जवाबदेह प्रशासन की दिशा में एक बहुत बड़ा कदम है। इससे पहले की व्यवस्थाओं में जो लालफीताशाही और दूरी थी, उसे पूरी तरह से तोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। मुख्यमंत्री के इस दौरे में उनके प्रमुख सचिव सुबोध कुमार सिंह और जनसंपर्क आयुक्त रजत बंसल जैसे अधिकारियों की उपस्थिति यह सुनिश्चित करती है कि प्रशासनिक स्तर पर भी त्वरित निर्णय लिए जा रहे हैं।

कुल मिलाकर, 'सुशासन तिहार' का यह आगाज छत्तीसगढ़ के विकास में एक नए युग का सूत्रपात है। यह दौरा इस विश्वास को पुख्ता करता है कि जब सरकार जनसंवाद के माध्यम से समस्याओं का समाधान करती है, तो राज्य में एक सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। यह प्रयास 'सबका साथ, सबका विकास' के संकल्प को धरातल पर पूरी तरह से साकार कर रहा है।

# केवल प्रतिक्रियाओं के अनुसार मत न बनाएं

**अवधेश कुमार**

भारत में ओपिनियन पोल यानी चुनाव पूर्व सर्वेक्षण हों या एग्जिट पोल मतदान के बाद का सर्वेक्षण ऐसा कोई वर्ष नहीं जब इस पर जबरदस्त विवाद तथा तू-तू-मैं-मैं न होती हो। मतदान के बहुमत की प्रवृत्ति या दिशा जिस पार्टी या समूह के विरुद्ध दिखाई जाती है यानी जिसके पराजित होने की संभावना व्यक्त होती है वह इसका विरोध करता है। हालांकि विरोध सामान्य या तथ्यों के आधार पर प्रश्न उठाया जाए या कोई तार्किक आपत्ति हो तो समस्या नहीं। अगर किसी एजेंसी या मीडिया संस्थान को ओपिनियन पोल या एग्जिट पोल करने और उसे सामने लाने का अधिकार है तो संबंधित पार्टियों को भी विरोध करने का। किंतु पिछले कुछ वर्षों से ऐसी सभी एजेंसियों और संस्थाओं को भाजपा द्वारा या सरकार द्वारा प्रायोजित बता कर उसकी साख को भी समाप्त करने का अभियान चलता है।

पश्चिम बंगाल के एग्जिट पोल पर तृणमूल कांग्रेस की प्रतिक्रियाएं देख लीजिए। हालांकि इनमें भी ज्यादातर एजेंसियों ने तृणमूल और भाजपा के मतों एवं सीटों में बहुत ज्यादा अंतर नहीं दिखाया है। हां, ज्यादातर में भाजपा के विजय की प्रवृत्ति अवश्य दर्शायी गई है। इनमें अंतर इतने महीन हैं कि इन एग्जिट पोलों के आधार पर भी आप निश्चयात्मक नहीं मान सकते कि हां यही परिणाम आएगा। केवल एक एजेंसी टुडेज चाणक्य ने भाजपा को तृणमूल से मतों एवं सीटों दोनों में काफी आगे बताया है। तृणमूल कांग्रेस के शीर्ष नेत्री ममता बनर्जी से लेकर अभिषेक बनर्जी, उनके मंत्री, सांसद और यहां तक कि टीवी पर बैठने वाले प्रवक्ता व पैनलिस्ट एजेंसियों और चैनलों पर हमले कर रहे हैं। एक एजेंसी ने घोषणा कर दिया कि पश्चिम बंगाल का एग्जिट पोल नहीं दिखाएंगे और इसके कारण दिए हैं। ओपिनियन पोल और एग्जिट पोल पर राजनीतिक दलों तथा कुछ टिप्पणीकारों द्वारा उठाए जा रहे प्रश्नों से उनकी विश्वसनीयता को गहरा आघात लगा है। ऐसा माहौल बना हुआ है मानो सारे एग्जिट पोल आज तक गलत ही साबित हुए हैं। सच ऐसा नहीं है। एग्जिट पोल का यह अर्थ नहीं कि वे जितनी सीटें बताते हैं वास्तव में उतनी ही आ सकती हैं या आने चाहिए। एग्जिट पोल से हमें चुनाव परिणाम का भावी ट्रेंड यानी प्रवृत्ति या दिशा का आभास मिलता है। अनेक बार एग्जिट पोल लगभग परिणाम के आसपास भी रहे हैं। कई बार गलत भी साबित हुए हैं। इसलिए केवल प्रतिक्रियाओं के आधार पर ही मत नहीं बनाएं। बावजूद भाजपा लोकसभा में इतनी बड़ी पार्टी बनी कि इसके आसपास कोई दल नहीं है। अधिकतर एग्जिट पोल 2024 लोकसभा चुनाव में मुख्यतः तीन राज्यों उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र और पश्चिम बंगाल में विफल साबित हुए। अन्य राज्यों के आंकड़े देखें तो उन्हें आप विफल नहीं कर सकते। 2014, 2019 लोकसभा चुनावों में एग्जिट पोल और परिणाम की दिशा एक रही।

ओपिनियन पोल और एग्जिट पोल वर्तमान चुनाव प्रणाली में मतदाताओं की मन:स्थिति समझने का माध्यम है। ओपिनियन पोल में आप अलग-अलग क्षेत्र में जाते हैं, लोगों से बातें करते हैं और गणना करते हुए निष्कर्ष निकालते हैं। केवल किसको मत देंगे और क्यों देंगे यही प्रश्न नहीं होता। मुद्दे, उम्मीदवारों, नेताओं, उनके कार्यों, विकास आदि इतने प्रश्न होते हैं कि उनसे काफी कुछ धरातली वास्तविकता समझा जा सकता है। तब भी ओपिनियन पोल परिणाम चुनाव परिणाम की प्रवृत्ति से अलग हो सकते हैं। कारण, ये मतदान पूर्व होते हैं और चुनाव अभियानों से लेकर मतदान तक लोगों का मन बदल सकता है। वैसे भी अब आचार संहिता लागू होने के बाद ओपिनियन पोल नहीं दिखाया जा सकता। सर्वेक्षण में पारदर्शिता भी होनी चाहिए। पारदर्शिता का अर्थ है कि आपके सैंपल साइज यानी कितने लोगों से आपने मत पूछा और उनमें किन-किन क्षेत्रों से और किस श्रेणी के लोग थे। आपके सर्वेक्षण करने का तरीका क्या था आदि आदि। पहले मतदान केंद्र के बाहर ही एजेंसियां अपना छाया मतदान पेटी लगाती थी जिसमें निकलने वाले लोग मत डालते थे। बाद में लैपटॉप और टैब से यह काम किया जाने लगा। जहां लैपटॉप टैब नहीं लगा सकते वहां मतदान कर निकलने वालों से पूछ कर नोट किया जाता है या ऑडियो विजुअल टेप रहता है। अगर ईमानदारी और पेशेवर तरीके से एग्जिट पोल हो तथा उनमें आए तथ्यों का आंकड़ों में ठीक से आकलन जाए तो परिणाम की दिशा अवश्य सामने आ जाएगी। चाहे ओपिनियन पोल हो या एग्जिट पोल उनमें आरंभ से ही ईमानदारी और पेशे की वास्तविक समझ की आवश्यकता है। फिर आपके पास सर्वेक्षण आ गए और उनको आंकड़ों में परिवर्तन करने में आप पारंगत नहीं है तो गड़बड़ी हो सकती है। मतदान प्रतिशत के बाद उन्हें सीटों में प्रेषित करना सबसे कठिन काम है। अगर मतदान प्रतिशत में 2,3,4 प्रतिशत का अंतर हो तो परिणाम किसी दिशा में पलट सकता है। इसलिए मत प्रतिशत को सीटों में बदलना जोखिम भरा है। सामान्यतः लोग मत प्रतिशत नहीं सीटें देखते हैं और परिणाम आने के बाद उसी को लेकर हमला करने लगते हैं। तृणमूल कांग्रेस के शासन में विरोधियों के विरुद्ध हुई भयानक हिंसा, भ्रष्टाचार, सत्ता और निहित स्वार्थी तत्वों तथा सिंडिकेट के जुड़ाव के कारण लोगों में असंतोष हो ही नहीं ऐसा कैसे संभव है? इसलिए पार्टियों की आलोचना के आधार पर हम ओपिनियन पोल या एग्जिट पोल के बारे में मत न बनायें। वैसे भी सोशल मीडिया के माध्यम से नैरेटिव के हल्ला बोल वाले दौर में सच को झूठ और झूठ को सच बनाना आसान हो गया है। इसलिए स्वयं संबंधित प्रदेश या क्षेत्र के शासन के प्रभावों का मूल्यांकन कर निष्कर्ष निकालें कि वहां क्या हो सकता है। फिर एग्जिट पोल या ओपिनियन पोल के साथ उसकी तुलना करें निष्कर्ष स्वयं निकल जाएगा।

# जीवन जीने की कला है आध्यात्मिक अभ्यास

आध्यात्मिक अभ्यास बुढ़ापे का सहारा नहीं, बल्कि जीवन जीने की कला है। हमें तैयारी 'सांझ' में नहीं, बल्कि 'दिन के उजाले' में, यानी अभी, इसी क्षण और पूरी शक्ति से करनी चाहिए। आज की भागम-भाग की ज़िंदगी में हम अक्सर दलील देते रहते हैं कि ईश्वर-आराधना का समय अभी नहीं आया है। अभी बहुत काम पड़ा है; ईश्वर-आराधना के लिए तो पूरी उम्र पड़ी है। अभी करियर बनाना है, घर की जिम्मेदारियों से मुक्त हो जाऊं तो फिर पूजा-पाठ शुरू करूंगा। कुछ लोग सोचते हैं कि रिटायरमेंट के बाद ही भजन-कीर्तन करेंगे। पूजा-पाठ तो बुढ़ापे में करने की चीज़ है। समाज में आम धारणा बनी हुई है कि हमारी आध्यात्मिकता और ईश-चिंतन जीवन की सांझ का विषय है। तभी हम लगातार आध्यात्मिक कर्तव्यों के प्रति विमुख रहते हैं। लेकिन हमें जीवन की क्षणभंगुरता का अहसास नहीं होता। हमने धन, पद, पहचान और प्रतिष्ठा को जीवन की प्राथमिकता बना लिया है। साथ ही आत्मा की साधना को 'फुर्सत के क्षणों' की बात मान लिया है।

हम भ्रम में रहते हैं कि पहले सामाजिक जिम्मेदारियां पूरी कर लें, फिर आध्यात्मिक साधना की बात सोचेंगे। हकीकत यह है कि जिम्मेदारियां समुद्री लहरों जैसी होती हैं—एक हटती है तो दूसरी आ जाती है। यदि हम लहरों के थमने की प्रतीक्षा करेंगे, तो कभी आध्यात्मिक सागर में डुबकी नहीं लगा पाएंगे। सच्चाई यह है कि ईश-चिंतन हमारी प्राथमिकताओं में ही नहीं है। इसकी वजह हमारी चेतना का जाग्रत न होना है। सुप्त चेतना को जगाने के लिए आध्यात्मिकता के आकाश में दो सूत्र हैं। पहला—महर्षि व्यास का ब्रह्मसूत्र 'अथातो ब्रह्मजिज्ञासा' और दूसरा—क्रियायोगी परमहंस योगानंद का आह्वान, 'शेष सब कुछ प्रतीक्षा कर सकता है, परंतु आपकी ईश्वर-खोज प्रतीक्षा नहीं कर सकती।' भारतीय सनातन परंपरा में ब्रह्मसूत्र का स्थान अत्यंत उच्च और प्रतिष्ठित है। इस महान ग्रंथ का प्रथम सूत्र—'अथातो ब्रह्मजिज्ञासा'—सम्पूर्ण आध्यात्मिक जीवन का उद्घोष है। यह सूत्र चार शब्दों से मिलकर बना है—'अथ' यानी अब, 'अतः' अर्थात इसलिए, ब्रह्म यानी परम सत्य और जिज्ञासा का अर्थ जानने की इच्छा। ब्रह्मसूत्र का पहला शब्द 'अथ' जिसका शाब्दिक अर्थ 'अब' या 'इसके बाद' है, परंपरागत भाष्यों में इसका अर्थ 'योग्यता प्राप्ति के बाद' लिया गया है—जब धर्मग्रंथों का अध्ययन कर लिया हो या अमुक स्तर की तपश्चर्या हो या विवेक-वैराग्य हो गया हो या इस स्तर तक अध्यात्मिक योग्यता हो गई हो आदि तब ब्रह्म को जानने की जिज्ञासा करो। वहीं परमहंस योगानंद ने इसका व्यावहारिक भाष्य दिया। उन्होंने 'अथ' की परिभाषा को योग्यता से हटाकर अनिवार्यता बना दिया और कहा—'आपकी ईश्वर-खोज प्रतीक्षा नहीं कर सकती।' उन्होंने 'अथ' को चेतावनी का रूप दे दिया—अभी नहीं जागे तो फिर कब जागोगे। गृहस्थ हों या संन्यासी, पढ़े-लिखे हों या अनपढ़—ईश्वर-खोज का समय 'अभी', इसी क्षण है। दूसरा शब्द 'अतः' (इसलिए) गहरे संकेत देता है। हमने जीवन में धन, मान-सम्मान, पारिवारिक सुख-सुविधाएं और सांसारिक उपलब्धियां प्राप्त कर लीं, पर क्या स्थायी शांति मिली? सुख के पीछे भय और संयोग के पीछे वियोग छिपा मिला। चूंकि सांसारिक नश्वर वस्तुएं आत्मा को पूर्ण संतुष्टि नहीं दे सकतीं, इसलिए अब उस परमतत्व की खोज आवश्यक है जो शाश्वत है।

साप्ताहिक शहर सत्ता

# सट्टा बाजार की भविष्यवाणी : तमिलनाडु में DMK, असम, बंगाल में BJP की लहर

**नई दिल्ली।** चुनावी माहौल गरमाते ही देश के कई हिस्सों में अवैध सट्टा बाजार भी एक्टिव हो जाता है. यह एक अनौपचारिक बेटिंग सिस्टम है, जहां लोग राजनीतिक पार्टियों और उम्मीदवारों की जीत-हार पर पैसे लगाते हैं. 5 राज्यों के चुनाव परिणाम का देश को इंतज़ार है. असम और पश्चिम बंगाल में अधिकतर एग्जिट पोल BJP को जिताते दिख रहे हैं तो वहीं दूसरी ओर तमिलनाडु में टीवीके पर सभी की निगाहे हैं लेकिन सट्टा बाज़ार क्या कहता है? सट्टा बाज़ार किस पार्टी पर अपना दांव लगा रहा है. पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों के नतीजों से पहले मुंबई का सट्टा बाज़ार पूरी तरह गर्म है. ताज़ा भाव और अनुमान ऐसे संकेत दे रहे हैं, जो सियासी समीकरणों को झकझोर सकते हैं. पश्चिम बंगाल को सबसे बड़ा मुकाबला माना जा रहा है, जहां कुल सीटें 294 हैं और बहुमत का आंकड़ा 148 है. ऐसे में ये अनुमान लगाया जा रहा है कि बीजेपी को 175-185 सीटें मिल सकती हैं ये ना सिर्फ बहुमत से काफी ज्यादा है, बल्कि बीजेपी बंगाल में इतिहास रचती नजर आ रही हैं. वहीं दूसरी ओर ममता के नेतृत्व वाली टीएमसी 127-132 सीटों पर सिकुड़ती नजर आ रही है. अन्य (Congress, CPIM, ISF) सिंगल डिजिट में सिमटती नजर आ रही हैं.

तमिलनाडु में इस बार DMK की मजबूत वापसी होती दिख रही है. राज्य में कुल 234 विधानसभा सीटें हैं. ऐसे में DMK के 145-155 सीटें मिलने की संभवना है और AIADMK 45-65 सीटों पर सिकुड़ती नजर आ रही है. वहीं एक्टर विजय की पार्टी TVK के 7-9 सीटें जीतने की संभावना है. ट्रेंड के मुताबिक एमके स्टालिन बढ़त बनाए हुए हैं, जबकि AIADMK का ग्राफ गिरता दिख रहा है.असम में बीजेपी का दबदबा कायम लग रहा है. कुल 126 सीटों में बीजेपी 85-92 सीटें और कांग्रेस महज 34-38 सीटें जीतती नजर आ रही है. पुडुचेरी में कांटे की टक्कर है. कुल 30 सीटों में अनुमानों के मुताबिक NDA 15-18 सीटें और इंडिया ब्लॉक 14-17 सीटें जीतता दिख रहा है. 140 सीटों वाले केरल में अनुमान है कि इस बार भी UDF सत्ता में वापसी करेगा और पार्टी को 78-85 सीटें मिलने की संभावना है तो वहीं LDF 56-66 सीटें जीतती नजर आ रही है जबकि BJP भी 2-3 सीटें जीत सकती है.

## ममता बनर्जी की सीट भवानीपुर में फिर हंगामा

पश्चिम बंगाल में मतगणना का समय 24 घंटे से भी कम रह गया है. ऐसे में फिर से राज्य में हंगामा देखने को मिला है. इस बार यह हंगामा ममता बनर्जी की विधानसभा भवानीपुर में हुआ है. आरोप है कि स्ट्रांग रूम में बीजेपी झंडे लगी वाली कारें घुसने की इजाजत दी गई. घटना इलाके के सखावत मेमोरियल गर्ल्स स्कूल में हुई है. इस दौरान ममता बनर्जी चार घंटे तक धरने पर बैठी रहीं. ममता ने बिना इजाजत लोगों के घुसने का आरोप लगाया. राज्य में दोनों पार्टियों के बीच कड़ी टक्कर देखने मिल सकती है. क्योंकि पार्टियों की तरफ से स्ट्रांग रूम की सिक्योरिटी पर कड़ी नजर रखी जा रही है. न्यूज एजेंसी पीटीआई से बात करते हुए टीएमसी कार्यकर्ता ने कहा कि पुलिस अपना काम ठीक से कर रही थी. पुलिस तो साइकिलों की भी जांच कर रही थी. तभी एक कार अंदर घुसी. हमने आर्मी जीप में BJP का झंडा देखा. उसे बिना जांच के ही आगे जाने दिया गया. तभी हमने इस पर आपत्ति जताई. एक अन्य कार्यकर्ता ने बताया कि गाड़ी अंदर चली गई. वह एक सफेद रंग की गाड़ी थी. इसके आगे BJP का लोगो लगा था. पीछे Army लिखा हुआ था. पुलिस ने गाड़ी की जांच नहीं की. किसी भी गाड़ी को अंदर जाने की इजाजत कैसे दी जा सकती है? वहीं इस पूरे मामले पर चुनाव आयोग के सीनियर अधिकारी ने बताया कि कार हरीश मुखर्जी रोड से गुजर रही थी।

## आठवां वेतन आयोगः 283 परसेंट बढ़कर आ सकती है सैलरी

**नई दिल्ली।** 8वें वेतन आयोग और कर्मचारी यूनियनों के बीच भले ही इस हफ्ते औपचारिक बातचीत पूरी हो गई हो, जिसमें यूनियनों की तरफ से 3.83x के फिटमेंट फैक्टर पर कम से कम 69,000 रुपये की सैलरी की मांग की गई है. अगर यह डिमांड मान ली जाती है, तो इसका मतलब कर्मचारियों की मिनिमम सैलरी में 283 परसेंट का इजाफा होगा. फिलहाल, 7वें वेतन आयोग के तहत कर्मचारियों को हर महीने कम से कम 18,000 रुपये की बेसिक सैलरी मिलती है, जिसे 6वें वेतन आयोग के 7,000 रुपये से बढ़ाया गया था. नई दिल्ली में 28 से 30 अप्रैल तक हुई बैठक में नेशनल काउंसिल (NC-JCM) ने लगभग 36 लाख केंद्र सरकार के कर्मचारियों के लिए वेतन में बढ़ोतरी, वेतन ढांचे में बदलाव और ज्यादा पेंशन व भत्तों की मांग की थी.

NC-JCM के स्टाफ साइड ने 3.83 के फिटमेंट फैक्टर की मांग की है, जो 7वें वेतन आयोग के तहत 2.57 के फिटमेंट फैक्टर के मुकाबले 126 बेसिस पॉइंट्स (bps) ज्यादा है. अगर 3.83 के फिटमेंट फैक्टर की मांग मान ली जाती है, तो इसका नतीजा 283 परसेंट की सैलरी हाइक के रूप में निकलेगा. इसका मतलब यह होगा कि अभी अगर किसी की बेसिक सैलरी 18000 रुपये है, तो उसकी सैलरी बढ़कर लगभग 69000 रुपये तक पहुंच जाएगी, जबकि मध्यम स्तर के वेतन में भी सभी वेतन बैंड में भारी बढ़ोतरी देखने को मिल सकती है.

## बच्चों के लिए आ गया 90s का लैंडलाइन फोन! बिना स्क्रीन के भी मिलेंगे जबरदस्त फीचर्स

**नई दिल्ली।** डिजिटल खतरे बढ़ने के बीच अब पुराने जमाने का लैंडलाइन फोन एक नए रूप में वापसी कर चुका है. टिन कैन नाम का यह अनोखा फोन अमेरिका और कनाडा जैसे देशों में तेजी से लोकप्रिय हो रहा है. इसका डिजाइन बिल्कुल 90 के दशक के वायर वाले फोन जैसा है जो पुराने दिनों की याद दिलाता है. इस फोन में बड़े-बड़े बटन दिए गए हैं, साथ ही घुमावदार तार और बेस स्टैंड भी मिलता है. देखने में यह भले ही पुराना लगे लेकिन इसमें आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल किया गया है. इसे सीधे घर के Wi-Fi से कनेक्ट किया जा सकता है जिससे इंटरनेट कॉलिंग की सुविधा मिलती है. सबसे खास बात यह है कि इसमें कोई स्क्रीन नहीं होती. यानी न सोशल मीडिया, न गेम्स और न ही किसी तरह का ध्यान भटकाने वाला फीचर. इससे बच्चे सिर्फ जरूरत के समय ही इसका इस्तेमाल करते हैं. इस डिवाइस में माता-पिता के लिए भी कई उपयोगी फीचर्स दिए गए हैं. इसमें पैरेंटल कंट्रोल की सुविधा मिलती है जिससे वे तय कर सकते हैं कि बच्चा किन नंबरों पर कॉल कर सकता है।

# 'युद्ध खत्म करो, प्रतिबंध हटाओ और मुआवजा दो', ईरान ने अमेरिका को भेजा नया प्रस्ताव

**नई दिल्ली।** डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन की ओर से पश्चिम एशिया में युद्ध समाप्त करने के लिए प्रस्तावित 9 सूत्रीय फ्रेमवर्क को लेकर ईरान का जवाब आया है. तेहरान ने पाकिस्तान के जरिए अमेरिका को नया 14 सूत्रीय शांति प्रस्ताव भेजा है. ईरानी मीडिया रिपोर्टों के अनुसार तेहरान ने मांग की है कि अमेरिका लेबनान सहित सभी मोर्चों पर युद्ध समाप्त करे, नौसैनिक नाकाबंदी हटाए, अपनी सेना वापस बुलाए और होर्मुज जलडमरूमध्य के लिए एक नई शासन व्यवस्था स्थापित करे. 14 सूत्रीय योजना में अन्य मांगों के साथ-साथ ईरान पर लगे प्रतिबंधों को हटाना, ईरान की जब्त संपत्तियों को रिलीज करना और मुआवजे की मांग भी शामिल है.

### ईरान के उप विदेश मंत्री काजेम गरीबाबादी का बयान

ईरान ने वॉशिंगटन की 2 महीने के युद्धविराम की योजना का खंडन किया और सभी मुद्दों को हल करने के लिए 30 दिन की समय सीमा का समर्थन किया. इस बीच ईरान के उप विदेश मंत्री काजेम गरीबाबादी ने कहा कि अमेरिका को वार्ता के माध्यम से समझौता करना है या खुले युद्ध की ओर लौटना है. यह अमेरिका पर निर्भर करता है और तेहरान दोनों के लिए तैयार है.ईरान की सरकारी मीडिया आईआरआईबी के अनुसार, ग़रीबाबादी ने तेहरान में राजनयिकों से कहा, "अब अमेरिका को कूटनीति का रास्ता चुनना है या टकराव का रुख अपनाना है." उन्होंने कहा, "ईरान अपने राष्ट्रीय हितों और सुरक्षा को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से दोनों रास्तों के लिए तैयार है."

### ईरान की योजना पर अमेरिका की प्रतिक्रिया

डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि वह ईरान के नवीनतम 14 सूत्रीय प्रस्ताव पर विचार कर रहे हैं और उन्होंने नए अमेरिकी हमलों की संभावना का भी संकेत दिया. उन्होंने कहा, "ईरान के संबंध में हमारी स्थिति काफी अच्छी है. वे समझौता करना चाहते हैं. उन्हें यह तय करने में कठिनाई हो रही है कि उनका नेता कौन है. मैं इस पर विचार कर रहा हूं. उन्होंने मुझे समझौते की अवधारणा के बारे में बताया है. वे अब मुझे इसका सटीक मतलब बताएंगे." ट्रंप ने कहा कि ईरान ने अभी-अभी हमें जो योजना भेजी है, मैं जल्द ही उसकी समीक्षा करूंगा लेकिन मुझे नहीं लगता कि यह स्वीकार्य होगी क्योंकि उन्होंने पिछले 47 वर्षों में मानवता और दुनिया के साथ जो किया है, उसके लिए उन्होंने अभी तक पर्याप्त कीमत नहीं चुकाई है.

## हैनली पासपोर्ट इंडेक्स ने जारी की रिपोर्ट

# सिंगापुर का पासपोर्ट दुनिया में सबसे ताकतवर

**नई दिल्ली।** आपका पासपोर्ट यह तय करता है कि आप दुनिया के कितने देशों में आसानी से जा सकते हैं. साल 2026 में सबसे ताकतवर और सबसे कमजोर पासपोर्ट के बीच करीब 170 देशों का फर्क है. यह आंकड़े Henley Passport Index के आधार पर तैयार किए गए हैं, जिसमें यह देखा जाता है कि किसी देश के नागरिक बिना वीजा कितनी जगहों पर जा सकते हैं.

### सिंगापुर सबसे आगे, 192 देशों में बिना वीजा एंट्री

सिंगापुर इस लिस्ट में पहले स्थान पर है, जहां के नागरिक 192 देशों में बिना वीजा के यात्रा कर सकते हैं. यह आंकड़ा सबसे कमजोर पासपोर्ट वाले देशों के मुकाबले लगभग पांच गुना ज्यादा है. वहीं सबसे कमजोर पासपोर्ट वाले देशों के नागरिक 50 से भी कम देशों में बिना वीजा के जा सकते हैं. यह अंतर दिखाता है कि भूगोल, कूटनीति और राजनीतिक स्थिरता वैश्विक यात्रा पर कितना असर डालती है.

### एशिया और यूरोप के पासपोर्ट सबसे मजबूत

सिंगापुर के बाद दूसरे स्थान पर जापान, दक्षिण कोरिया और संयुक्त अरब अमीरात हैं, जहां के नागरिक 187 देशों में बिना वीजा के जा सकते हैं. संयुक्त अरब अमीरात पूर्वी एशिया के बाहर सबसे मजबूत पासपोर्ट रखता है, लेकिन एक कमी यह है कि यहां के नागरिकों को संयुक्त राज्य अमेरिका में वीजा-फ्री एंट्री नहीं मिलती, जबकि सिंगापुर, जापान और दक्षिण कोरिया को यह सुविधा है. इसके बाद यूरोप के देश इस सूची में आगे हैं, खासकर नॉर्वे और स्विट्जरलैंड, जिनके नागरिक 185 देशों में बिना वीजा के जा सकते हैं. यूरोपीय संघ के 27 देशों का एक साझा पासपोर्ट सिस्टम है, लेकिन हर देश की वीजा-फ्री पहुंच अलग-अलग है. बुल्गारिया और रोमानिया के नागरिक 177 देशों में जा सकते हैं, जबकि स्वीडन के नागरिक 186 देशों में. औसतन यूरोपीय संघ की ताकत 183 देशों की है, जो मलेशिया और यूनाइटेड किंगडम के बराबर है. यह कनाडा (182) और संयुक्त राज्य अमेरिका (179) से भी थोड़ा आगे है.

## तिरुपति लड्डू मामला: बिना क्वालिटी चेक के खरीदा 70 लाख किलो घी

**नई दिल्ली।** आंध्र प्रदेश में तिरुपति मंदिर के लड्डू को लेकर एक बड़ा खुलासा हुआ है. सरकार की तरफ से बनाई गई एक सदस्यीय जांच समिति ने रिपोर्ट में बताया कि तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम ने लड्डू बनाने के लिए 70 लाख किलो से ज्यादा घी खरीदा, लेकिन इसमें जरूरी गुणवत्ता जांच नहीं की गई. रिपोर्ट के अनुसार, शुरुआत में अधिकारियों ने यह तय किया था कि घी की जांच के लिए FSSAI का जरूरी -सिटोस्टेरॉल टेस्ट किया जाएगा, जो 1 जुलाई 2022 से अनिवार्य है. लेकिन बाद में इस फैसले को बदल दिया गया और सप्लायर को बिना इस जांच के ही घी सप्लाई करने की छूट दे दी गई. इसका नतीजा यह हुआ कि बड़ी मात्रा में घी बिना सही जांच के खरीदा गया. जांच में यह भी सामने आया कि सिस्टम की कमजोरियों का फायदा उठाकर सप्लायर ने मिलावटी घी की सप्लाई की. अधिकारियों पर आरोप है कि उन्होंने जरूरी सेफ्टी टेस्ट को नजरअंदाज किया और ऐसी लैब रिपोर्ट को दबा दिया जिसमें घी में मिलावट की पुष्टि हुई थी।

# नरेन-वरुण के चक्रव्यूह में फंसी हैदराबाद कोलकाता ने पूरा किया अपना बदला

**नई दिल्ली।** वरुण चक्रवर्ती और सुनील नरेन की शानदार गेंदबाजी के दम पर कोलकाता नाइट राइडर्स ने सनराइजर्स हैदराबाद को हरा दिया है। बल्ले से अंगकृष रघुवंशी और कप्तान अजिंक्य रहाणे ने कमाल की बल्लेबाजी की और अपनी टीम को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। हैदराबाद की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 19 ओवरों में 165 रन बनाए थे। इसके जवाब में 166 रनों के लक्ष्य को कोलकाता ने 3 विकेट के नुकसान पर हासिल कर लिया। इसी के साथ हैदराबाद की लगातार 5 जीत का सिलसिला भी तोड़ दिया। तो वहीं केकेआर ने लगातार तीसरी जीत हासिल कर ली है।

कोलकाता के खिलाफ मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद के कप्तान पैट कमिंस ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया था। इसके बाद ट्रेविस हेड और अभिषेक शर्मा की जोड़ी ने अपने चिर-परिचित अंदाज में शुरुआत की। दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 44 रनों की साझेदारी हुई। अभिषेक 15 रन बनाकर आउट हो गए लेकिन हेड ने आक्रामण जारी रखा। हेड ने मुकाबले में 22 गेंदों पर अपनी फिफ्टी भी पूरी कर ली। ईशान किशन उनका जमकर साथ दे रहे थे। पहले 10 ओवरों में हैदराबाद की टीम मुकाबले में आगे चल रही थी और उन्होंने 9 ओवर में 2 विकेट के नुकसान पर 105 रन बना लिए थे। हेड 28 गेंदों पर 61 रन बनाकर आउट हो गए। उन्हें वरुण चक्रवर्ती ने मैदान से बाहर का रास्ता दिखाया। इसके बाद से ही कोलकाता के स्पिनर्स ने मैच पर शिकंजा कसना शुरू कर दिया। चक्रवर्ती और सुनील नरेन ने किफायती गेंदबाजी की। 10 ओवरों के बाद नरेन और चक्रवर्ती ने अपनी स्पिन का जाल बिछाया। दोनों ने शानदार गेंदबाजी की और हैदराबाद की बल्लेबाजी अचानक से ताश के पत्तों की तरह ढह गई। हेड के अलावा ईशान ने 42 रनों की पारी खेली। इन दोनों के अलावा कोई भी अन्य बल्लेबाज 20 रनों के आंकड़े को भी नहीं छू सका और इसी वजह से हैदराबाद की टीम 19 ओवरों में 165 रनों पर सिमट गई। कोलकाता के लिए चक्रवर्ती ने 3, नरेन ने 2 और कार्तिक त्यागी ने भी 2 विकेट चटकाए।

### सुनील नरेन के 200 विकेट पूरे

हैदराबाद के खिलाफ नरेन ने आईपीएल में इतिहास रच दिया। उन्होंने इस मुकाबले में पहला विकेट लेते ही अपने आईपीएल करियर में 200 विकेट पूरे कर लिए। वे आईपीएल में 200 विकेट लेने वाले पहले विदेशी गेंदबाज बन गए हैं। इसके अलावा वे आईपीएल में 200 विकेट लेने वाले मात्र तीसरे गेंदबाज हैं।

# रोहित शर्मा को रिलीज कर देगी मुंबई इंडियंस?

**नई दिल्ली।** IPL 2026 में रोहित शर्मा को आखिरी बार रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू के खिलाफ मैच में खेलते देखा गया था. बल्लेबाजी के दौरान उन्हें हैमस्ट्रिंग इंजरी हुई थी, जिसके बाद वे MI के पांच मुकाबले मिस कर चुके हैं. इसी बीच ऐसी अफवाहें उड़ने लगी हैं कि मुंबई इंडियंस टीम के भीतर सबकुछ ठीक नहीं है. एक पोस्ट वायरल हो रहा है, जिसमें यह तक दावा कर दिया गया कि MI का मैनेजमेंट अगले सीजन से पहले रोहित को रिलीज कर सकता है. क्या है इस वायरल दावे की सच्चाई, क्या मुंबई छोड़ने के बाद रोहित IPL से रिटायरमेंट का ऐलान कर देंगे, यहां जान लीजिए क्या है सच.

### रोहित शर्मा लेंगे संन्यास?

सोशल मीडिया पर एक पोस्ट वायरल हो रहा है. इसमें दावा किया गया कि रोहित शर्मा अभी पूरी तरह फिट हैं, लेकिन मुंबई इंडियंस का मैनेजमेंट उन्हें खिलाना नहीं चाहता. पोस्ट में रिपोर्ट्स का हवाला दिया गया कि रोहित शर्मा अगर चाहें तो मुंबई अगले सीजन उन्हें रिलीज भी कर सकती है. चूंकि रोहित किसी दूसरी फ्रेंचाइजी के लिए नहीं खेलना चाहते हैं, इसलिए वे IPL से संन्यास की घोषणा कर देंगे.बताते चलें कि इस वायरल पोस्ट में किए गए सारे दावे गलत हैं. हाल ही में मुंबई इंडियंस के हेड कोच महेला जयवर्धने ने अपडेट देकर बताया था कि रोहित जल्दी रिकवर कर रहे हैं, लेकिन उनकी मैदान में वापसी तभी संभव है जब मेडिकल टीम से हरी झंडी मिल जाएगी. यह बयान साफ दर्शाता है कि टीम मैनेजमेंट उनकी जल्द वापसी की उम्मीद कर रहा है ना कि उन्हें रिलीज करने का विचार कर रहा है. रोहित शर्मा को मैदान पर उतरे करीब 3 सप्ताह हो चुके हैं. बता दें कि हैमस्ट्रिंग इंजरी को ठीक होने में कुछ सप्ताह से लेकर कई महीनों का समय लग सकता है. अगर हैमस्ट्रिंग इंजरी ज्यादा गंभीर है, तो रोहित शर्मा जैसे वर्ल्ड-क्लास एथलीट को भी उससे उबरने में 1-2 महीने का समय लग सकता है.

## आईपीएल के सारे सीजन खेलने वाले तीसरे खिलाड़ी बने मनीष पांडे

**नई दिल्ली।** सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ कोलकाता नाइट राइडर्स ने अनुभवी बल्लेबाज मनीष पांडे को प्लेइंग इलेवन में शामिल किया. जैसे ही मनीष पांडे मैदान पर उतरे उनके नाम एक बड़ा रिकॉर्ड हो गया. मनीष के नाम ऐसा रिकॉर्ड हुआ है, जो उनसे पहले सिर्फ रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे दिग्गजों के नाम था. 36 साल के मनीष पांडे अब तीसरे ऐसे खिलाड़ी बन गए हैं, जो आईपीएल के सभी 19 सीजन खेले हैं. मनीष पांडे आईपीएल के पहले सीजन से अब तक हर साल कम से कम एक मैच खेलने वाले तीसरे खिलाड़ी बन गए हैं. मनीष पांडे के नाम आईपीएल के सभी 19 सीजन में कम से कम एक मैच खेलने का अद्भुत रिकॉर्ड हो गया है. आईपीएल के इतिहास में मनीष पांडे से पहले सिर्फ रोहित शर्मा और विराट कोहली ऐसा कर सके थे.

# 75 % हिस्सेदारी के साथ मित्तल परिवार बना राजस्थान रॉयल्स टीम का मालिक

नई दिल्ली। आईपीएल 2026 के बीच राजस्थान रॉयल्स को लेकर बड़ी जानकारी सामने आई. अब फ्रेंचाइजी को नए मालिक मिल गए हैं. स्टील के राजा कहे जाने वाले मित्तल परिवार ने राजस्थान रॉयल्स का 75% हिस्सा अपने नाम कर लिया है. इसके अलावा सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया के मालिक अदार पूनावाला ने करीब 18 फीसद का हिस्सा अपने नाम किया है. लक्ष्मी एन मित्तल और आदित्य मित्तल व अदार पूनावाला ने टीम में करीब 93 फीसद की हिस्सेदारी अपने नाम कर ली है. वहीं बाकी का बचा हुआ 7% का शेयर मौजूदा मालिक मनोज बदाले समेत बाकी लोगों के पास रहेगा. इस डील को लेकर समझौता हो चुका है. फ्रेंचाइजी के पुराने मालिक मनोज बदाले टीम से जुड़े रहेंगे. वह टीम के लिए अतीत और भविष्य की कड़ी का काम करेंगे. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह सौदा करीब 1.65 बिलियन डॉलर (करीब 15600 करोड़ रुपये) में हुआ है. यह डील सिर्फ इंडियन प्रीमियर लीग में खेलने वाली राजस्थान रॉयल्स तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि इसमें दक्षिण अफ्रीका में होने वाली एसए20 लीग की पार्ल रॉयल्स और कैरेबियन प्रीमियर लीग की बारबडोस रॉयल्स की टीमें भी शामिल होंगे. सीधे शब्दों में कहें तो इन दो टीमों का मालिकाना हक भी नए मालिकों के पास चला जाएगा।

## अगले 5-7 दिनों में बढ़ सकते हैं पेट्रोल-डीजल के दाम

**नई दिल्ली।** देश में महंगाई का एक ऐसा तूफान आने वाला है जो आपके घर के पूरे गणित को बिगाड़ कर रख देगा. सरकारी गलियारों से ऐसी खबरें छन कर बाहर आ रही हैं, जो सीधे आपकी जेब पर डाका डालने वाली हैं. सूत्रों ने बताया है कि अगले पांच से सात दिनों के भीतर तेल कीमतों पर सरकार एक बड़ा फैसला लेने जा रही है. सरकारी सूत्रों के मुताबिक, पश्चिम एशिया में बदलते हालातों और वैश्विक ऊर्जा बाजार पर पड़ने वाले इसके असर पर सरकार की पैनी नजर है. अभी भले ही अंतिम मुहर न लगी हो, लेकिन संकेत साफ हैं कि बहुत जल्द पेट्रोल, डीजल की कीमतों में तगड़ी बढ़ोतरी हो सकती है. सिर पर तलवार लटक रही है, क्योंकि आंतरिक चर्चाएं जोरों पर हैं और

अधिकारी इस बात का आकलन कर रहे हैं कि आखिर कितना बोझ जनता पर डाला जाए. बता दें कि पेट्रोल-डीजल के दाम में 4 से 5 रुपए तक के उछाल की आशंका है. सरकार इस समय 'दोराहे' पर खड़ी है. एक तरफ तेल कंपनियों का वित्तीय दबाव है तो दूसरी तरफ बढ़ती महंगाई का डर.

### कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत में 993 रुपये का इजाफा

**नई दिल्ली।** मई का महीना शुरू हुआ और गैस सिलेंडर बुक कराना भी महंगा हो गया. महीने की पहली ही तारीख में भारतीय तेल मार्केटिंग कंपनियों ने कमर्शियल गैस सिलेंडरों के दाम बढ़ा दिए, जो अब तक की सबसे बड़ी बढ़ोतरी है. कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत में 993 रुपये का इजाफा किया गया है और यह पहली बार है जब LPG की कीमत ने 3000 रुपये के आंकड़े को पार कर गई है. इंडियन ऑयल ने 5Kg वाले मिनी LPG सिलेंडर की कीमतों में भी भारी बढ़ोतरी का ऐलान किया है, जिसकी इस वक्त मिडिल ईस्ट में तनाव के माहौल में काफी डिमांड है. मिडिल ईस्ट में तनाव के बीच भारत सरकार ने LPG की कमी के संकट को रोकने के लिए कई कदम उठाए. सरकार ने शहरी इलाकों में बुकिंग का समय 21 से बढ़ाकर 25 दिन और ग्रामीण इलाकों में 45 दिन तक कर दिया है. अगर इस तय समय सीमा से पहले बुकिंग की कोशिश करेंगे, तो सिस्टम आपकी बुकिंग लेगा ही नहीं।

**2026 में पहली बार घटा आंकड़ा, मार्च के रिकॉर्ड के बाद अप्रैल में गिरावट**

# UPI ट्रांजैक्शन में गिरावट, क्या लोगों का होने लगा मोहभंग?

**नई दिल्ली।** UPI ट्रांजेक्शन को लेकर हाल ही में जो आंकड़े सामने आए हैं, उन्होंने डिजिटल भुगतान की रफ्तार को ले कर एक नई बहस छेड़ दी है. मार्च 2026 में जहां UPI ने 2016 में लॉन्च होने के बाद अब तक का सबसे बड़ा रिकार्ड बनाया था, वहीं अप्रैल 2026 में इसकी रफ्तार में थोड़ी गिरावट दिखाई दी है. अचानक UPI ट्रांजेक्शन आई इस कमी ने सबको हैरान कर दिया है. नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (NPCI) के ताजा आंकड़ों के मुताबिक, मार्च 2026 में ट्रांजेक्शन वॉल्यूम और वैल्यू दोनों ने बड़ा रिकार्ड दर्ज किया था. लेकिन बाद में यह सवाल उठने लगा है कि क्या लोगों का होने लगा मोहभंग है या यह सिर्फ एक नॉर्मल उतार-चढ़ाव है. अप्रैल 2026 में UPI ट्रांजेक्शन का कुल मूल्य 1.7% घटकर ₹29.03 ट्रिलियन रह गया, जबकि मार्च में यह ₹29.53 ट्रिलियन का कारोबार था. सिर्फ वैल्यू ही नहीं, बल्कि ट्रांजेक्शन की संख्या (वॉल्यूम) भी घटकर 22.35 बिलियन पर आ गई है. हालांकि, सालाना आधार पर देखा जाए तो स्थिति अभी भी मजबूत बनी हुई है. लेनदेन की संख्या में करीब 25% और मूल्य में 21% की बढ़ोतरी दर्ज की गई है.

### FASTag, IMPS और AePS में भी सुस्ती

UPI के साथ-साथ अन्य डिजिटल पेमेंट में भी अप्रैल 2026 में हल्की गिरावट देखने को मिली है. सिर्फ UPI ही नहीं, बलकि फास्टैग और आईएमपीएस को भी काफी बड़ा झटका लगा है. इमीडिएट पेमेंट सर्विस (IMPS) में मासिक आधार पर करीब 1% की कमी आई और यह ट्रांजेक्शन 362 मिलियन पर आ कर रुक गई, जबकि इसका कुल मूल्य भी करीब 5% घटकर ₹7.01 ट्रिलियन हो गया है.FASTag लेनदेन में भी करीब 1.6% घटकर 358 मिलियन तक रह गए, जबकि इसका मूल्य 2% घटकर करीब ₹7,025 करोड़ पर पहुंच गया है. इसी तरह आधार सक्षम भुगतान प्रणाली (AePS) में सबसे ज्यादा गिरावट देखने को मिला, जहां लेनदेन की संख्या करीब 15% और मूल्य में 14% की गिरावट दर्ज की है.

### डिजिटल पेमेंट में गिरावट या मौसमी असर?

भले ही हालिया आंकड़े पहली नजर में काफी चिंता पैदा करने वाले लग रहे हैं, लेकिन सिक्के के दूसरे पहलू की कहानी कुछ और ही बयां करता है. विशेषज्ञों का कहना है कि यह गिरावट किसी बड़ी मंदी का संकेत नहीं, बल्कि 'मार्च इफेक्ट' का परिणाम है. मार्च 2026 में वित्तीय वर्ष की समाप्ति (Year-end) के कारण लेनदेन में अचानक उछाल आया था, जिसने उस महीने इतिहास के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए थे. दरअसल अप्रैल में जो गिरावट आई थी वह उसी ऊंची छलांग के बाद की एक सामान्य स्थिरता माना जा रहा है. कैशफ्री पेमेंट्स के सीईओ आकाश सिन्हा ने कहा, "यह मांग में कमी नहीं, बल्कि मौसमी प्रभाव है."

साप्ताहिक शहर सत्ता

# डिप्टी सीएम की मौजूदगी में कांग्रेस का 'सिलेंडर' वार

## गरियाबंद में भारी सुरक्षा के बीच महंगाई पर हल्लाबोल

**गरियाबंद** | जिला मुख्यालय में आज सत्ता और विपक्ष के बीच जबरदस्त सियासी खींचतान देखने को मिली। एक तरफ नगरपालिका के कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री अरुण साव अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहे थे, तो वहीं दूसरी तरफ कांग्रेस ने तिरंगा चौक पर केंद्र और राज्य सरकार के खिलाफ मोर्चा खोलकर माहौल को तनावपूर्ण बना दिया।

### जय स्तंभ चौक पर पुलिस से सामना

प्रदेश कांग्रेस के आह्वान और जिलाध्यक्ष सुखचंद बेसरा के नेतृत्व में कार्यकर्ता बड़ी संख्या में जिला कांग्रेस भवन में एकत्रित हुए।

**अनोखा विरोध:** हाथों में तख्तियां और नारों के साथ कांग्रेसी कार्यकर्ता जैसे ही तिरंगा चौक की ओर बढ़े, पुलिस ने मुस्तैदी दिखाते हुए उन्हें जय स्तंभ चौक पर ही रोक लिया।

**सरकार पर निशाना:** कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि केंद्र और राज्य सरकार की नीतियों ने आम आदमी की कमर तोड़ दी है। उन्होंने सवाल किया कि लगातार बढ़ते दामों के बीच गरीब परिवार अपना बजट कैसे संभाले?

### सुरक्षा के घेरे में 'सियासी संग्राम'

उपमुख्यमंत्री का कार्यक्रम नजदीक होने के कारण प्रशासन ने कोई जोखिम नहीं उठाया:

**छावनी में तब्दील** शहर: तिरंगा चौक और आसपास के इलाकों को पुलिस छावनी में बदल दिया गया था।

**सुरक्षा एजेंसियों की मशक्कत:** प्रदर्शन के उग्र होने की आशंका के बीच सुरक्षा बलों को घंटों कड़ी मशक्कत करनी पड़ी, हालांकि पुलिस की सतर्कता से कोई अप्रिय घटना नहीं हुई।

### महंगाई को बनाया बड़ा मुद्दा

कांग्रेस ने इस प्रदर्शन के जरिए सीधे सत्ता के गलियारों तक संदेश पहुँचाने की कोशिश की। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि घरेलू गैस के दाम अब आम जनता की पहुँच से बाहर हो रहे हैं और यह प्रदर्शन इसी जन-आक्रोश की एक झलक है। इस विरोध प्रदर्शन में पवन सोनकर, रमेश शर्मा, सन्नी मेमन, नीरज ठाकुर, छगन यादव, अमित मिरी और योगेश्वरी साहू समेत बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे। उपमुख्यमंत्री के दौरे के बीच हुए इस 'हल्लाबोल' ने जिले का राजनीतिक पारा बढ़ा दिया है।

## मोदी राज में महंगाई बेतहाशा बढ़ी गरीब और मध्यम वर्ग परेशान

**रायपुर।** प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि मोदी सरकार जब से सत्ता में आई है, महंगाई से देश के नागरिकों की कमर टूटती जा रही है। 2014 में जो गैस का सिलेंडर 410 रु. का था, आज वह 980 रु. के पार है वह भी मिल नहीं रहा । पेट्रोल के दाम 70 रु. प्रति लीटर से बढ़कर 102 रु. प्रति लीटर के पार हो गए हैं जबकि डीजल के दाम 55 रु. प्रति लीटर से बढ़कर 100 रु. प्रति लीटर के करीब पहुंच गए हैं। 5 राज्यो के चुनाव खत्म होते ही मोदी सरकार का असल रूप सामने आ गया है। मोदी सरकार ने महंगाई से जूझ रही जनता एवं मंदी की मार झेल रहीं व्यवसायिक संस्थानो, उद्योगों पर कुठाराघात किया है। घरेलू कामर्शियल सिलेंडर के दाम में बढ़ोतरी कर दिया। एक मुश्त 993 रु की बढोत्तरी एवं प्रवासी श्रमिको एवं गरीब जनता द्वारा उपयोग किये जाने वाले 5 किलो वाली गैस सिलेंडर के दाम में 261 रु की वृद्धि कर दी है। बीते पांच माह में कामर्शियल सिलेंडर के दाम में 1510 रु की वृद्धि हुई है जनवरी में 111रु फरवरी में 50रु मार्च में दो बार मिलाकर 146 रु अप्रैल मे 218 रु एवं मई में 993 रु की वृद्धि हुई है अब घरेलू गैस एवं पेट्रोल डीजल के दाम में भी वृद्धि की संभावना है। इसका सीधा असर आम जनता , उद्योग,होटल रेस्टोरेंट ढाबा एवं कामर्शियल गैस उपयोग करने वाले संस्थानों पर पड़ेगा। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि मोदी सरकार देश को असमानता और कर्ज की आग में झोंका, दिया सिर्फ धन्ना सेठों को मौका। हाल ही में आई 'ऑक्सफैम' की रिपोर्ट में बताया गया है कि देश के 5 प्रतिशत अमीर लोगों के पास देश की 60 प्रतिशत से ज्यादा संपत्ति है और नीचे के 50 प्रतिशत लोगों के पास देश की मात्र 3 प्रतिशत संपत्ति। विडंबना यह है कि नीचे के इन 50 प्रतिशत लोगों की जीएसटी में हिस्सेदारी 64 प्रतिशत है और ऊपर के 10 प्रतिशत लोगों की जीएसटी में हिस्सेदारी केवल 3 प्रतिशत है जबकि उनके पास देश की 70-80 प्रतिशत संपत्ति है।

## बिजली कटौती आम जनता के लिए सरर्दद बन गयी है

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता सत्यप्रकाश सिंह ने कहा कि पूरे प्रदेश में अघोषित बिजली कटौती हो रही है। ढाई साल में विद्युत सरप्लस वाला छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत कटौती का केंद्र बन गया है। गर्मी के मौसम में अघोषित बिजली की कटौती आम आदमी के लिये सरदर्द बन गयी है। कोई ऐसा दिन नहीं होता जब बिजली दो-चार घंटे के लिये बंद न हो, रात में तो बिजली की स्थिति तो और भयावह हो जाती है, घंटो बिजली गोल हो जाती है। भाजपा से न सरकार संभल पा रहा और न ही व्यवस्थायें। सरकार एक तो पूरे समय बिजली नहीं दे पा रही, ऊपर से उपभोक्ताओं पर महंगी बिजली का बोझ डाल रही है। प्रदेश के अनेक जिलों में तो पूरी रात बिजली कटौती हो रही है। भाजपा सरकार में आम जनता को मांग के अनुसार बिजली नहीं मिल रहा है। बिजली कटौती और लो वोल्टेज की समस्या से शहर और गांव की जनता जूझ रहे हैं।

## सुशासन तिहार मतलब जनता के साथ धोखा 2.0, सिर्फ आवेदन लिया जाएगा निराकरण नही

**रायपुर।** सुशासन तिहार को जनता के साथ धोखा 2.0 करार देते हुये प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि सुशासन तिहार आमजनता के साथ धोखा 2.0 है पिछली बार सुशासन तिहार में 40 लाख से अधिक आवेदन प्राप्त हुए थे जिसे सिर्फ निरस्त किया गया है समस्या एवं मांग आज भी बरकरार है ऐसे में अभी भी सुशासन तिहार में वही समस्या एवं मांग पत्र जनता देगी जिसका निराकरण नही होगा। तो सुशासन तिहार का क्या मतलब जब समस्या जस की तस हो। प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा पिछले वर्ष हुई सुशासन तिहार में 10 लाख से अधिक आवेदन प्रधानमंत्री आवास की मांग की थी, 2 लाख से अधिक आवेदन उज्जवला गैस योजना के लिए लगभग पौने दो लाख से अधिक आवेदन नया राशन कार्ड के लिए, 70000 से अधिक आवेदन सड़क पुल पुलिया निर्माण की मांग की एवं 25 लाख से अधिक आवेदन अन्य मांगों से जुड़ी हुई थी। कितना आवेदनकर्ताओं की मांग पूरी हुई है सरकार को सूची सार्वजनिक करना चाहिये। प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि सुशासन तिहार में जनता को बताना चाहिये कि भाजपा के गारंटी के अनुसार अब तक 500 रु में रसोई गैस सिलेंडर क्यो नही दिया गया?

## ढाई साल में राज्य में रोजगार के अवसर घटे बेरोजगारी बढ़ी

**रायपुर।** प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि भाजपा सरकार ढाई साल में एक भी युवा को रोजगार नहीं दे पायी है, बल्कि युवाओं से रोजगार छीनने का ही काम किया है। कांग्रेस सरकार में बेरोजगारी दर मात्र 0.60 प्रतिशत था। भाजपा सरकार बनने के बाद बेरोजगारों की संख्या में भारी वृद्धि हुआ है। आज बेरोजगारी दर 4.5 प्रतिशत है। ढाई साल में बीएड शिक्षक, अतिथि शिक्षक, विद्या मितान, क्रेडा के संविदा कर्मचारी, अनियमित कर्मचारी, विद्युत विभाग के कर्मचारी, वन विभाग के संविदा कर्मचारियों, गोठान महिला स्व सहायता समूह, रीपा के तहत रोजगार प्राप्त कर रहे लोगों को काम से बेदखल किया गया, ई-श्रेणी के लाइसेंस में काम कर रहे युवाओं से भी काम छिन गया है, पूरे प्रदेश में विकास कार्य ठप है कोई नई भर्ती पूरी नहीं हुई है पूर्व से चल रही भर्ती में भी नियुक्तियां नहीं दी जा रही है हर विभाग में काम करने वाले युवाओं से उनका हक अधिकार को छीना गया है।

## गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा शिक्षा और वेलनेस को बढ़ावा देना सरकार की प्राथमिकताः स्वास्थ्य मंत्री

**रायपुर।** प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण और आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं के विस्तार की दिशा में लगातार कार्य किए जा रहे हैं। इसी क्रम में आज रायगढ़ जिले के स्व. श्री लखीराम अग्रवाल स्मृति शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय के ऑडिटोरियम में आयोजित कार्यक्रम में स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल एवं वित्त मंत्री एवं रायगढ़ विधायक श्री ओ.पी. चौधरी ने विभिन्न महत्वपूर्ण निर्माण कार्यों का विधिवत भूमिपूजन किया। इन परियोजनाओं में नवीन फिजियोथेरेपी महाविद्यालय भवन, 100 बिस्तरीय मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य (एमसीएच) अस्पताल हेतु स्टाफ क्वार्टर तथा 10 बिस्तरीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा केंद्र भवन का निर्माण शामिल है। फिजियोथेरेपी कॉलेज भवन के लिए 1393.71 लाख रुपये, एमसीएच अस्पताल स्टाफ क्वार्टर के लिए 393.79 लाख रुपये तथा योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा केंद्र के लिए 280.57 लाख रुपये की स्वीकृति प्रदान की गई है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि प्रदेश सरकार स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार के साथ-साथ गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा शिक्षा और वेलनेस को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं से रायगढ़ सहित आसपास के क्षेत्रों के स्वास्थ्य तंत्र को मजबूती मिलेगी। उन्होंने बताया कि प्रदेश में फिजियोथेरेपी कॉलेजों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि की गई है, जिससे पैरामेडिकल शिक्षा को प्रोत्साहन मिल रहा है। स्वास्थ्य मंत्री ने योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह केवल उपचार पद्धति नहीं, बल्कि स्वस्थ जीवन शैली का समग्र विज्ञान है।

## छत्तीसगढ़ में 'बासी' पर सियासी घमासान

**मंत्री गजेंद्र यादव का तंज- "भूपेश बघेल क्या कांग्रेस का पिंडदान करने गए थे?"**

**रायपुर** | 1 मई को 'श्रमिक दिवस' के अवसर पर पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा मिट्टी के बर्तन में बोरे बासी खाने की तस्वीरों ने राज्य में एक बड़ा राजनीतिक विवाद खड़ा कर दिया है। स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव ने इस क्रिया को 'प्रोपेगेंडा' करार देते हुए इसे कांग्रेस के अंत से जोड़ दिया है।

### मिट्टी के बर्तन पर विवाद: परंपरा या प्रोपेगेंडा?

मंत्री गजेंद्र यादव ने पश्चिम बंगाल दौरे पर रवाना होने से पहले दुर्ग में भूपेश बघेल पर निशाना साधा। उनके हमले के मुख्य बिंदु इस प्रकार हैं:

**पिंडदान का जिक्र:** मंत्री ने कहा कि मिट्टी के बर्तनों का उपयोग आमतौर पर पिंडदान और पितृ भोज में किया जाता है।

**तीखा सवाल:** उन्होंने सवाल उठाया कि क्या भूपेश बघेल मिट्टी के बर्तन में बासी खाकर कांग्रेस पार्टी का 'पिंडदान' करने गए थे?

**गरीबी पर कटाक्ष:** उन्होंने पूछा कि कांग्रेस ऐसे त्योहार मनाकर क्या साबित करना चाहती है? क्या वे चाहते हैं कि छत्तीसगढ़ के लोग हमेशा 'बासी' ही खाते रहें?

### हेलीकॉप्टर यात्रा बनाम ₹1.50 लाख

शिक्षा मंत्री ने प्रदेश के होनहारों के लिए एक महत्वपूर्ण घोषणा की, जिसे पिछली सरकार की नीतियों के मुकाबले एक बड़ा अपग्रेड माना जा रहा है:

**नकद प्रोत्साहन:** 10वीं और 12वीं की मेरिट लिस्ट में आने वाले बच्चों को सरकार अब एक साथ 1 लाख 50 हजार रुपए की आर्थिक सहायता देगी।

**नकल से इनकार:** हेलीकॉप्टर यात्रा के सवाल पर उन्होंने कहा कि वे किसी की नकल नहीं करते। मंत्री के अनुसार, पिछली सरकार में बच्चे सिर्फ एक बार हेलीकॉप्टर में घूमते थे, लेकिन इस राशि से छात्र अपने पूरे परिवार के साथ यात्रा का पैकेज ले सकते हैं या अपनी पढ़ाई को बेहतर बना सकते हैं।

### बंगाल में भाजपा की 'सुनामी' का दावा

5 राज्यों के आगामी चुनावी परिणामों को लेकर भी मंत्री गजेंद्र यादव ने अपनी बात रखी:

**बंगाल का अनुमान:** उन्होंने दावा किया कि पश्चिम बंगाल में भाजपा की सरकार 'सुनामी' के रूप में आएगी।

**बहुमत का भरोसा:** उन्होंने विश्वास जताया कि पांच में से तीन राज्यों में भाजपा स्पष्ट बहुमत के साथ अपनी सरकार बनाएगी।

# रिटायरमेंट पर अब सम्मान और समाधान एक साथ

## रायपुर में 'प्रोजेक्ट वंदन' और 'सेकंड इनिंग' की शानदार शुरुआत

**रायपुर |** अक्सर देखा जाता है कि रिटायरमेंट के बाद सरकारी कर्मचारियों को अपनी पेंशन और अन्य देयकों (Gratuity) के लिए दफ्तरों के चक्कर काटने पड़ते हैं। लेकिन रायपुर कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह की पहल 'प्रोजेक्ट वंदन' ने इस पूरी प्रक्रिया को बदल दिया है। अब कर्मचारियों को उनके विदाई समारोह के दिन ही उनके सभी हक दे दिए जा रहे हैं।

### टाउन हॉल में 44 कर्मचारियों का हुआ सम्मान

30 अप्रैल 2026 को टाउन हॉल में आयोजित एक विशेष समारोह में जिले के 44 अधिकारी-कर्मचारियों को आत्मीय विदाई दी गई। इस दौरान कलेक्टर ने स्वयं उन्हें शॉल, श्रीफल और प्रशस्ति पत्र भेंट कर सम्मानित किया।

**तुरंत भुगतान:** कार्यक्रम में 7 कर्मचारियों को मौके पर ही उनके सत्वों के भुगतान के आदेश और PPO थमाए गए।

**अनुभवी शिक्षकों की खुशी:** खमतराई के शिक्षक अब्दुल याकुब खान को ₹40 लाख और अम्लीडीह के व्याख्याता नारायण लाल साहू को ₹71 लाख से अधिक की राशि के भुगतान आदेश मिले।

**समय सीमा:** कलेक्टर ने शेष बचे कर्मचारियों के भुगतान आदेश भी अगले 10 दिनों के भीतर जारी करने के सख्त निर्देश दिए हैं।

### विदाई नहीं, यह तो 'सेकंड इनिंग' की शुरुआत है

प्रशासन केवल आर्थिक लाभ देकर ही अपनी जिम्मेदारी खत्म नहीं कर रहा है। सेवानिवृत्त कर्मचारियों के अनुभव का लाभ समाज को मिलता रहे, इसके लिए 'प्रोजेक्ट सेकंड इनिंग' भी शुरू किया गया है। इसके तहत: सेवानिवृत्त कर्मचारी अपनी इच्छा और कौशल के अनुसार शिक्षण, मार्गदर्शन और प्रशासनिक सहयोग जैसे क्षेत्रों में स्वैच्छिक योगदान दे सकेंगे। यह प्रोजेक्ट उनके सेवाकाल के बाद के जीवन को एक नई सार्थकता और सम्मान प्रदान करेगा। इस समारोह में विभिन्न विभागों के कर्मचारी शामिल हुए: स्कूल शिक्षा विभाग: 24 कर्मचारी, स्वास्थ्य विभाग: 03 कर्मचारी, लोक निर्माण विभाग (PWD): 04 कर्मचारी, उच्च शिक्षा विभाग: 03 कर्मचारी, राजस्व, कृषि और पशुधन विभाग: कुल 06 कर्मचारी।

## सही दवा, शुद्ध आहार-यही छत्तीसगढ़ का आधार" अभियान के तहत औषधि दुकानों पर सख्ती

**रायपुर।** प्रदेश में चल रहे "सही दवा, शुद्ध आहार-यही छत्तीसगढ़ का आधार" अभियान के तहत स्वास्थ्य विभाग द्वारा औषधि प्रतिष्ठानों पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। इसी कड़ी में रायगढ़ जिले में आज कई मेडिकल स्टोर्स का औचक निरीक्षण किया गया। जांच दल ने ओ.पी. जिंदल फार्मेसी, जगन्नाथ फार्मा, प्रगति इंटरप्राइजेज और प्राची मेडिकोज में पहुंचकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम 1940 एवं नियमावली 1945 के तहत वैक्सीन के सुरक्षित भंडारण, कोल्ड चेन मेंटेनेंस और आवश्यक दस्तावेजों की गहन जांच की गई। इसके साथ ही नारकोटिक एवं प्रतिबंधित दवाओं (एनआरएक्स) से जुड़े अभिलेखों का भी परीक्षण किया गया। अधिकारियों ने संचालकों को दवाओं की गुणवत्ता बनाए रखने, सुरक्षित भंडारण सुनिश्चित करने और शासन के निर्देशों का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए। स्वास्थ्य विभाग ने स्पष्ट किया है कि अभियान के तहत जिले में इस तरह के निरीक्षण आगे भी लगातार जारी रहेंगे।

# रायपुर के 83 वर्षीय बुजुर्ग बने प्रदेश के पहले 'राहत' लाभार्थी

- **सड़क दुर्घटना के बाद सरकार ने उठाया इलाज का जिम्मा**

**रायपुर।** राजधानी के मोतीबाग चौक के रहने वाले 83 वर्षीय इस्माईल खान के लिए 'राहत' योजना वाकई में बड़ी राहत बनकर आई है। वह छत्तीसगढ़ के पहले ऐसे व्यक्ति बन गए हैं, जिनके इलाज की राशि इस केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना के तहत स्वीकृत की गई है।

### प्रशासनिक तत्परता से मिली त्वरित सहायता

सड़क दुर्घटना के शिकार होने के बाद इस्माईल खान को सहायता पहुँचाने के लिए जिला प्रशासन ने बेहद सक्रियता दिखाई। रायपुर कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के नेतृत्व और स्वास्थ्य विभाग के मार्गदर्शन में इस केस को प्राथमिकता पर रखा गया। जिला नोडल अधिकारी डॉ. सार्थक नंदा की निगरानी में पूरी प्रक्रिया को इतना सरल और पारदर्शी बनाया गया कि राज्य का यह पहला मामला सफलतापूर्वक स्वीकृत हो गया।

### डीकेएस अस्पताल की भूमिका

इस महत्वपूर्ण उपलब्धि में डीकेएस (DKS) अस्पताल के प्रबंधन और चिकित्सा स्टाफ का बड़ा योगदान रहा। अस्पताल अधीक्षक डॉ. शिप्रा शर्मा और उनकी टीम ने सभी औपचारिकताओं को प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया, जिससे मरीज को समय पर आर्थिक सहायता मिल सकी। प्रशासनिक आंकड़ों के अनुसार, रायपुर में इस योजना का प्रभाव अब दिखने लगा है। इस्माईल खान के केस के अलावा, 10 और मामले वर्तमान में प्रक्रियाधीन हैं, जिन्हें जल्द ही लाभान्वित किया जाएगा। जिला प्रशासन ने इस सफल शुरुआत के साथ ही आम नागरिकों से अपील की है कि वे 'राहत' योजना के प्रति जागरूक बनें। यह योजना विशेष रूप से उन लोगों के लिए तैयार की गई है जो सड़क हादसों का शिकार होते हैं, ताकि बिना किसी देरी के उन्हें गुणवत्तापूर्ण इलाज मिल सके।

# उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने 8 करोड़ के कार्यों का किया भूमिपूजन

**रायपुर।** उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री श्री अरुण साव ने आज गरियाबंद नगर पालिका में 44 विकास कार्यों का भूमिपूजन कर नगरवासियों को 8 करोड़ 15 लाख 98 हजार रुपए की सौगात दी। इनमें चार करोड़ 41 लाख रुपए की लागत का नालंदा परिसर, 2 करोड़ 91 लाख रुपए लागत के सीसी सड़कों, नालियों एवं शेड निर्माण के 30 कार्य, 83 लाख रुपए की लागत के 13 सड़कों एवं नाली निर्माण के कार्य शामिल हैं। इन निर्माण कार्यों से नगर की बुनियादी सुविधाएं मजबूत होंगी और नागरिकों को बेहतर सड़क व जल निकासी व्यवस्था का लाभ मिलेगा। विधायक श्री रोहित साहू और राज्य भंडार गृह निगम के अध्यक्ष श्री चंदूलाल साहू भी भूमिपूजन कार्यक्रम में शामिल हुए। उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने इस दौरान विभिन्न सामाजिक एवं सार्वजनिक संस्थाओं के लिए करीब 2 करोड़ रुपए की अतिरिक्त स्वीकृति भी दी। उन्होंने दो अलग-अलग पत्रकार भवनों के लिए 5-5 लाख रुपए, प्रजापति ब्रह्मकुमारी आश्रम भवन निर्माण के लिए 15 लाख रुपए, साहू समाज के लिए 25 लाख रुपए तथा नगर पालिका के लिए डेढ़ करोड़ रुपए की स्वीकृति की घोषणा की। उन्होंने प्रस्ताव लेकर आने पर तुरंत स्वीकृति की भी बात कही। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उप मुख्यमंत्री श्री साव ने कहा कि गरियाबंद में 4 करोड़ रुपए से अधिक की लागत से बनने वाला नालंदा परिसर और कुल 8 करोड़ 15 लाख रुपए के विकास कार्य नगर के विकास की दिशा तय करेंगे। गरियाबंद के बच्चों को आधुनिक पढ़ाई के लिए सेंट्रल लाइब्रेरी की सुविधा मिलेगी।

## औषधि पादप बोर्ड की नई कार्ययोजना से आत्मनिर्भरता की नई इबारत लिख रही हैं ग्रामीण महिलाएं

# छत्तीसगढ़ की जड़ी-बूटियों से महकेगा नारी शक्ति का स्वावलंबन

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ के वनांचल की गोद में छिपी अमूल्य औषधि संपदा अब केवल स्वास्थ्य का आधार नहीं, बल्कि प्रदेश की नारी शक्ति के आर्थिक स्वावलंबन का नया अध्याय बन रही है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार सुशासन की जिस परिकल्पना को साकार कर रही है, उसे वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री केदार कश्यप और छत्तीसगढ़ आदिवासी, स्थानीय स्वास्थ्य परंपरा एवं औषधि पादप बोर्ड के अध्यक्ष श्री विकास मरकाम के मार्गदर्शन में धरातल पर उतार रहा है। गिलोय, कालमेघ, बहेड़ा, सफेद मूसली, जंगली हल्दी, गुड़मार, अश्वगंधा, और शतावरी जैसी महत्वपूर्ण औषधीय वनस्पतियों से अर्क और उत्पाद तैयार किए जा रहे हैं।

### पारंपरिक ज्ञान को वैज्ञानिक पहचान

वनांचल में बिखरे पारंपरिक ज्ञान को महज एक स्मृति न रहने देने के संकल्प के साथ बोर्ड ने इसे वैज्ञानिक पद्धति से जोड़ने का निर्णय लिया है। इसके तहत उन स्थानीय वैद्यों और जानकारों का चिन्हांकन शुरू किया गया है, जिनके पास असाध्य रोगों के उपचार का अद्भुत ज्ञान है। बोर्ड का प्रयास इन महिलाओं को एक

उचित मंच प्रदान करना है, ताकि उनकी विशेषज्ञता का लाभ समाज को मिले और वे स्वयं को आर्थिक रूप से सुदृढ़ कर सकें। यह केवल एक प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि उस विरासत का सम्मान है जिसे ग्रामीण महिलाओं ने सदियों से सहेजकर रखा है। छत्तीसगढ़ में पारंपरिक जड़ी-बूटी और जनजातीय ज्ञान को अब आधुनिक विज्ञान के माध्यम से नई पहचान मिल रही है। राज्य के वनों में छिपे औषधीय खजाने को वैज्ञानिक आधार पर प्रमाणित कर, उसे आजीविका के साधन के रूप में विकसित किया जा रहा है।

### संग्रहण से प्रसंस्करण तक- उद्यमिता की नई उड़ान

आर्थिक मोर्चे पर सबसे बड़ा बदलाव तब दिखाई दे रहा है, जब जड़ी-बूटियों का संग्रहण करने वाली महिलाएं अब संग्राहक से आगे बढ़कर निर्माता की भूमिका में नजर आ रही हैं। बोर्ड के दिशा-निर्देशों के अनुरूप, महिला स्व-सहायता समूहों को औषधि प्रसंस्करण (प्रोसेसिंग) के उन्नत गुर सिखाए जा रहे हैं। यह पहल न केवल औषधीय पौधों का संरक्षण कर रही है, बल्कि वनवासियों और लघु वन उपज संग्राहकों की आय में वृद्धि करके उन्हें आत्मनिर्भर बना रही है। छत्तीसगढ़ में 1500 से अधिक सक्रिय वैद्यों के ज्ञान को सहेजने और जड़ी-बूटियों के विपणन के लिए छत्तीसगढ़ जनजातीय स्थानीय स्वास्थ्य परंपराएं और औषधीय पादप बोर्ड सक्रिय रूप से काम कर रहा है। यह संस्था हर्बल उत्पादों की खेती, मूल्य संवर्धन, और मार्केटिंग में तकनीकी सहायता और सामुदायिक भागीदारी सुनिश्चित करती है।

# 'राजा शिवाजी' को मिल रहा दर्शकों का प्यार

रितेश देशमुख की 'राजा शिवाजी' रिलीज के साथ ही छा गई है. फिल्म ने पहले दिन ही रिकॉर्ड ब्रेक कमाई की. मराठी वर्जन नो तो धूम मचा दी है. आइए नजर डालते हैं फिल्म के बॉक्स ऑफिस कलेक्शन पर. साथ ही जानते हैं तीसरे दिन फिल्म को कैसा रिस्पॉन्स मिल रहा है. Sacnilk के मुताबिक, फिल्म ने संडे को रत 9.30 बजे तक 9.68 करोड़ का कलेक्शन किया है.

फिल्म ने हिंदी भाषा में 3.24 करोड़ कमा लिए. वहीं फिल्म ने मराठी में 6.44 करोड़ का कलेक्शन किया. फिल्म की ऑक्यूपेंसी 36.0% है. फिल्म के हिंदी वर्जन ने 9.99 करोड़ का कलेक्शन कर लिया है. वहीं, मराठी वर्जन ने 21.59 करोड़ का कलेक्शन कर लिया है. फिल्म मराठी सिनेमा की सबसे बड़ी ओपनर बन गई है. फिल्म को रितेश देशमुख ने ही डायरेक्ट किया है. वो फिल्म में लीड रोल में हैं. फिल्म में अभिषेक बच्चन, संजय दत्तस भाग्यश्री, जेनेलिया, फरदीन खान, विद्या बालन जैसे स्टार्स हैं. रितेश देशमुख फिल्म में छत्रपति शिवाजी महाराज के रोल में हैं. फिल्म में सलमान खान ने कैमियो रोल भी किया है. उनके कैमियो ने धूम मचा दी है. रितेश देशमुख की एक्टिंग और डायरेक्शन की फैंस जमकर तारीफ कर रहे हैं. इस फिल्म का क्लैश जुनैद खान की 'एक दिन' से हुआ. हालांकि, 'एक दिन' रितेश की 'राजा शिवाजी' के सामने टिक नहीं पाई है. जुनैद खान की फिल्म को फैंस पसंद नहीं कर रहे हैं. इस फिल्म में साउथ एक्ट्रेस साई पल्लवी नजर आई हैं. साई पल्लवी ने इस फिल्म से बॉलीवुड डेब्यू किया है. इसके बाद साई फिल्म 'रामायण' में भी दिखेंगी.

## कान्स फिल्म फेस्टिवल में भारत को रिप्रेजेंट करेंगी तारा सुतारिया

तारा सुतारिया इन दिनों अपनी फिल्म 'टॉक्सिक को लेकर चर्चा में हैं. वहीं, अब उन्हें लेकर एक बड़ी खबर सामने आ रही है. तारा सुतारिया 2026 में 79वें कान्स फिल्म फेस्टिवल में डेब्यू के लिए पूरी तरह तैयार हैं. फिल्म ' टॉक्सिक' से पहले , तारा 2026 के कान्स फिल्म फेस्टिवल में भारत को रिप्रेजेंट करतीं नजर आने वाली हैं. अपनी आने वाली फिल्म 'टॉक्सिक' को लेकर बढ़ती एक्साइटमेंट के बीच तारा सुतारिया अपने करियर के एक नए और बड़े दौर में कदम रखने के लिए तैयार नजर आ रही हैं, जो सिर्फ भारतीय फिल्म इंडस्ट्री तक सीमित नहीं है. रिपोर्ट्स के मुताबिक, एक्ट्रेस 2026 में कान्स फिल्म फेस्टिवल में डेब्यू करने जा रही हैं, जो उनके ग्लोबल सफर का बड़ा पड़ाव माना जा रहा है. 'टॉक्सिक' से पहले तारा सुतारिया कान्स फिल्म फेस्टिवल 2026 में डेब्यू करेंगी और ग्लोबल मंच पर भारत को रिप्रेजेंट करेंगी. टॉक्सिक पहले ही चर्चा में है, और यह डेब्यू उनके करियर के एक बड़े इंटरनेशनल दौर की शुरुआत माना जा रहा है.

# मामी सुनीता आहूजा को देख रोईं कश्मीरा, आरती सिंह भी नहीं रोक पाईं आंसू

कलर्स का पॉपुलर रियलिटी शो 'लाफ्टर शेफ्स सीजन 3' का एक एपिसोड फिर से चर्चा में है. 15 अप्रैल को शो में गोविंदा की पत्नी सुनीता आहूजा की एंट्री हुई थी, जिसके बाद कृष्णा अभिषेक और कश्मीरा शाह हैरान हो गए थे. कई साल बाद उनके बीच का रिश्ता ठीक हुआ और कृष्णा ने अपनी मामी के पैर पर गिड़कर उनसे माफी मांगी. वहीं कश्मीरा शाह ने भी रोते हुए अपनी गलती मानी और उनसे माफी मांगी. अब कृष्णा की बहन आरती सिंह ने इस एपिसोड के कई विडियोज शेयर किए और एक प्यार भरा इमोशनल नोट लिखा.

### करिश्मा ने कबूली गलती

एपिसोड में जब सुनीता उन्हें कहती हैं, 'चलो आ जाओ बहुरानी.' तो कश्मीरा ने रोते हुए कहा, '10 साल हो गए कृष्णा, एक ऐसा टाइम आया जब मैंने सोचा कि फोन उठाऊं और एक फोन करूं. अभी ऐसा टाइम है कि मैं नजर भी नहीं मिला सकती हूं क्योंकि मैंने बहुत सारी गलत चीजें बोली हैं. उनका हक बनता है क्योंकि वो मां है न. मैंने वो तब ही महसूस किया, जब मैं मां बनी. मुझे माफ कर दीजिए.' ये बोलते ही करिश्मा, सुनीता के पैर पकड़कर रोने लगती हैं.

### ये कई सालों का सपना था...

आरती ने लाफ्टर शेफ्स की कई विडियोज शेयर की और लिखा, 'कल जब मैंने ये एपिसोड देखा, तो मेरी आंखों में अपने आप आंसू आ गए. सबके लिए ये बस 'मामी डे' था, लेकिन हमारे लिए ये कई सालों का सपना था. हमारा परिवार हमेशा बहुत करीब और खुशहाल रहा है, लेकिन जैसा कहा जाता है, समय आने पर रिश्तों में कभी-कभी दूरियां आ जाती हैं और सही वक्त आने पर सब ठीक भी हो जाता है. ये मिलन मेरे दिल की बहुत पुरानी इच्छा थी, और जिस तरह से ये हुआ, वो सच में बहुत खूबसूरत है. कृष्णा और कश्मीरा ने जिस तरह माफी मांगी, वो दिल से और सच्ची थी. सुनिता मामी और ची-ची मामा की बहुत याद आती थी और उनसे भी ज्यादा मुझे टीना और यश की कमी महसूस होती थी.' उन्होंने आगे लिखा, 'मैं बस यही दुआ करती हूं कि गुस्सा या गलतफहमियां कभी इतनी बड़ी न हो जाएं कि हमें अपने अपनों से दूर रहना पड़े। ऐसे में हम जिंदगी के खूबसूरत साल खो देते हैं. कश्मीरा ने बहुत सही कहा, वो मां हैं, उनका हक है. हमारे बड़े ही हमारी जड़ होते हैं. मैं जानती हूं कि सुनिता मामी और ची-ची मामा ने हमें हमेशा अपने बच्चों की तरह प्यार दिया है. आज मैं बहुत खुश हूं, दिल पूरी तरह भरा हुआ है और बस भगवान का शुक्रिया अदा करना चाहती हूं.।

# करीना ने ठुकराई शाहरुख की सुपरहिट फिल्म, तो चमकी प्रीति जिंटा की किस्मत

बॉलीवुड की 23 साल पुरानी रोमांटिक म्यूजिकल ड्रामा फिल्म 'कल हो ना हो' बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट रही थी. इस फिल्म में शाहरुख खान को लीड रोल में देखा गया था. इसमें उनके साथ प्रीति जिंटा और सैफ अली खान भी अहम रोल में थे. इसमें प्रीति जिंटा का रोल नैना कैथरीन कपूर का था, जिसे लोगों ने काफी पसंद किया था. इस तिकड़ी को लोगों ने काफी पसंद किया था. लेकिन क्या आप जानते हैं प्रीति जिंटा के रोल के लिए मेकर्स की पहली पसंद करीना कपूर थीं?

### वायरल हो रहा प्रीति जिंटा का वीडियो

दरअसल, फिल्म 'कल हो ना हो' से जुड़ा एक पुराना वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें प्रीति जिंटा करीना कपूर के बयान पर बेबाक तरीके से अपनी बात रखती नजर आ रही हैं. इंटरनेट पर वायरल हो रहा वीडियो 'कॉफी विद करण' शो का है, जिसे मशहूर फिल्म निर्माता करण जौहर होस्ट करते हैं. बातचीत के दौरान करण जौहर ने प्रीति जिंटा से उस चर्चा पर सवाल किया, जिसमें कहा जाता रहा कि फिल्म 'कल हो ना हो' के लिए पहले करीना कपूर खान को चुना गया था.

### फीस की वजह से ठुकराई फिल्म

रिपोर्ट्स के मुताबिक, करीना कपूर को पहले यह फिल्म ऑफर की गई थी, लेकिन बात फीस को लेकर अटक गई. करण जौहर ने शो में प्रीति जिंटा से पूछा, 'करीना इस फिल्म की पहली पसंद थीं, उनकी जगह आपको कास्ट किया गया. आपको असल में कैसा लगा?' इस सवाल का जवाब प्रीति जिंटा ने बेहद सरल तरीके से दिया. उन्होंने एक उदाहरण देते हुए कहा, 'अगर कोई व्यक्ति दुकान में जाकर जींस पहनकर देखता है, लेकिन उसे खरीदता नहीं है, तो वह जींस उसकी नहीं हो जाती. लेकिन अगर बाद में कोई दूसरा व्यक्ति उसे खरीद लेता है, तो वह असल में उसी की ही कहलाती है.' 'मुझे याद है, जब आपने मुझे इस फिल्म की कहानी सुनाई थी, तो मुझे हैरानी हुई थी कि आखिर कोई इस फिल्म को करने से मना किया।

# 4 साल की उम्र में खतरनाक एक्सीडेंट का शिकार हुईं थी शक्ति मोहन

शक्ति मोहन आज डांस की दुनिया का बड़ा नाम हैं. अपनी मेहनत से उन्होंने बॉलीवुड में खास पहचान बनाई है. लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं कि बचपन में उनके साथ एक ऐसा खतरनाक हादसा हुआ था, जिसने उनकी जिंदगी पूरी तरह बदल दी थी. वो 7 महीने तक बेडरेस्ट पर थीं. कोरियोग्राफर शक्ति मोहन ने हाल ही में सिदार्थ कन्नन के पॉडकास्ट में इस दर्दनाक किस्सें का जिक्र किया था. उन्होंने कहा, 'जब मेरा एक्सीडेंट हुआ मै रोड क्रॉस करके मुक्ति, जो शक्ति की बहन हैं, के नर्सरी जा रही थी. वो इस टाइम पर 2 साल की थी. तो उसको स्कूल से रोड क्रॉस करा के लाना था और मैं काफी एक्साइटेड थी. मैं राइट लेफ्ट दौड़ गई. तो एक बाइक आ रही थी और बाइक के पहिए में मेरा पैर घुस गया और पूरी तरह से मेरा लेफ्ट पैर टूट गया और बैक भी टूट गई थी.'

# बस्तर के जनजातीय समाजों में लोक देवता : राजाराव

**स्वाति आनंद**

स्तर क्षेत्र के रक्षक राव देवताओं के बारे में बताया जाता है कि ऐसे कई रक्षक देवता है जो अपने क्षेत्र की रक्षा करते हैं। आज भी लोग अपनी आस्था और मानता का प्रतीक के रूप में इस देव की मूर्तियां राव घाट पर अर्पित करते हैं। यह गांव के बाहर रहने वाले देवता है जो घोड़े पर सवार होते हैं। माना जाता है कि आज भी रात के सन्नाटों पर यह देवता गांव की रक्षा घोड़े पर बैठकर करते हैं घोड़े के टॉप की आवाज से आज भी इन देवताओं की उपस्थिति का आभास किया जा सकता है। बस्तर की धरती को उत्तर और दक्षिण बस्तर में बांटा गया है जहां पर उत्तर बस्तर के राजा भंगा राम और दक्षिण के राजा भैरव के नाम से जाने जाते हैं, लोक कथाओं में भी कुछ क्षेत्र रक्षक को राव की संज्ञा मिली उल्लेख मिलता है। राव न्याय के देवता है जिस तरह मां क्षेत्र के केंद्र पर स्थित होती हैं उनकी रक्षा के लिए भैरव उनके साथ होते हैं वैसे ही क्षेत्र रक्षा के लिए इन गणों का उल्लेख किया गया है वे राव कहलाते हैं यह सीमांत रक्षक है माना जाता है यह गांव में प्रवेश नहीं करते स्वभाव से यह उग्र और धर्म की स्थापना करने वाले देवता है। रावदेव राजाराव की प्रतिमात्मक विशेषताओं, निवास-स्थानों, अनुष्ठानों तथा फसल-रक्षा की बहुस्तरीय लोक-व्यवस्था का विश्लेषण करता है। यह स्पष्ट करता है कि ये लोकदेवता रोग निवारण, पर्यावरणीय संतुलन और सामुदायिक अनुशासन की

स्थानीय अवधारणा को मूर्त रूप देते है। जनजातीय विश्वासों में माना जाता है कि घुड़सवार देवता रात में गाँव की परिक्रमा करते है। भित्तिचित्रों, टेराकोटा शिल्प और लकड़ी की मूर्तियों में घोड़े को अतिरंजित रूप में दर्शाया जाता है।

जनजातीय और लोक समाजों में घोड़ा युद्ध का औजार नहीं, बल्कि रक्षा, गति और देवत्व का प्रतीक है। यह दृष्टिकोण हमें भारतीय इतिहास को एकांगी राजकीय कथा से बाहर निकालकर जन-स्मृति और लोकानुभव के व्यापक परिप्रेक्ष्य में देखने की प्रेरणा देता है। घोड़े की यह लोकछवि बताती है कि सांस्कृतिक निरंतरता कभी-कभी जैविक या ऐतिहासिक निरंतरता से अधिक प्रभावशाली होती है। बस्तर की कहानी में आज भी राव की उपस्थिति आधार पेड़ के नीचे या पहाड़ों के या टेकारियों के ऊपर मानी गई है यह सदैव घोड़े में ही रहते हैं आज भी बस्तर में राव घाट केशकाल घाटी के राव बस्तर के सभी राव में सबसे प्रधान राव माने जाते हैं। लोक मान्यता में राजाराव के साथ नंदिराव, मतला राव, जाखराव, चिमराव, पंडराराव, करियाराव, बागदि राव, नलाराव, कुमुरी राव आदि माने जाते हैं।

# देश भक्त और समाजसेवी के रूप में जाने गए पं. पदमाकर प्रसाद त्रिपाठी

**वीरेन्द्र बहादुर सिंह**

स्वतंत्रता संग्राम सेनानी प. पदमाकर प्रसाद त्रिपाठी का जन्म 10 २२ फरवरी 1925 को छुईखदान में हुआ था। आपने रायपुर के रामचंद्र संस्कृत पाठशाला से 1949 में संस्कृत साहित्य विशारद की उपाधि प्राप्त की। शाला के आचार्य प. विश्वनाथ पाण्डेय की मूल प्रेरणा से आपके मन में देश प्रेम और राष्ट्रीयता की भावना जागृत हुई। 9 अगस्त 1942 को गांधीजी के करो या मरो आंदोलन में आप भी भाग लिए और हिरासत में ले लिए गए।

2 अक्टूबर 1942 को सत्ती बाजार चौक रायपुर के मोतीलाल त्रिपाठी के नेतृत्व में ब्रिटिश हुकूमत के विरुद्ध नारेबाजी करते हुए अंग्रेज प्रधानमंत्री चर्चिल का जनाजा निकालते और पुतला दहन करते हुए गिरफ्तार कर लिए गए। आप इस आंदोलन में लगातार सक्रिय रहे। स्वतंत्रता आंदोलन में उल्लेखनीय योगदान के लिए प. पदमाकर त्रिपाठी को 1995 में सेठ गोविन्द दास द्वारा ताम्रपत्र भेंट कर सम्मानित किया गया था। स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात अपने गृह नगर छुईखदान लौट आए, जहां शिक्षक की नौकरी करते प्रधान पाठक पद से सेवानिवृत हुए। शिक्षकीय कार्य के अलावा आपने पुरोहित तथा भागवत कथा का वाचन भी किए। स्वभाव से मृदुभाषी त्रिपाठी जी का निधन 26 जून 2001 को हो गया।

# छत्तीसगढ़ में हजारों वर्ष पूर्व से समृद्ध रही है संगीत कला

**बलदेव प्रसाद मिश्र**

सर रिचर्ड टेम्पल के बनाए हुए राज्यों में अब नांदगांव, छुईखदान और खैरागढ़ का उल्लेख ही शेष रह जाता है। खैरागढ़ का राज्य नागवंशी क्षत्रियों के अधीन रहा है, जिन्हें मंडला के गोंड राजा ने अठारहवीं शताब्दी के मध्य में इलाके का अधिकार दिया था। खैरागढ़ जनपद के अंतर्गत डोंगरगढ़ की विमला देवी (बमलाई अथवा बगलामुखी माता) का प्रसिद्ध मंदिर है। डोंगरगढ़ की बस्ती पहले कामा नगरी कहलाती थी, जिसके नरेश कामसेन की सभा में सुप्रसिद्ध कामकंदला नर्तकी रहती थी।

माधव नाम के एक कला कोविद ब्राम्हण से उसकी प्रीति हो गई और इसी सम्बन्ध में उज्जैन के राजा वीर विक्रमादित्य को यहां तक आना पड़ा था। विमला देवी भी उस समय सिद्ध शक्ति मानी जाती थी। इस पहाड़ी मंदिर के समीप ही कामकंदला तालाब आज भी मौजूद है। इसी तरह माधव ब्राह्मण का महल भी जीर्ण शीर्ण अवस्था में कटनी से कुछ दूरी पर देखा जा सकता है। माधवानल और कामकंदला नाम से नाटक संस्कृत और हिन्दी में लिखे गए हैं। यदि इन्हें मानें तो आज से लगभग दो हजार वर्ष पहले इस स्थान की संगीत कला आश्चर्यजनक उन्नति को प्राप्त हो चुकी थी।

# चंपापुरगढ़ के प्रामाणिक तथ्यों को भुलाया नहीं जा सकता

**विजय शर्मा**

सातवीं शताब्दी में चीनी पर्यटक व्हेनसांग के यात्रा आलेख के अनुसार छत्तीसगढ़ में एक गढ़ चंपापुर हुआ। ऐतिहासिक जानकारी के अनुसार कलचुरी वंशज राजा भीमसेन द्वितीय की राजधानी चंपापुर के नाम से विख्यात था। चंपापुर की नगर देवी चंपेश्वरी देवी थी। यहां के राजा भीमसेन द्वितीय पर दूसरे राजा हयराज ने आक्रमण कर पराजित किया था। पराजित राजा भीमसेन द्वितीय के भ्राता भरतबल की रुपवती रानी लोक प्रभा जो तत्कालीन कौशल नरेश राज कन्या थी उसे युद्ध काल में सुरक्षा की दृष्टि से नागार्जुन संघाराम में भूमिगत सुरंग मार्ग से लाकर रख दिया था। युद्ध समाप्ति पश्चात राजा भीमसेन द्वितीय तथा भरतबल ने इस जंगल में रानी लोकप्रभा की खोज की, लेकिन कहीं पता नहीं चला। भरतबल ने पत्नी वियोग से दुखी होकर आत्महत्या कर ली। कुछ समय पश्चात् भीमसेन की भी मृत्यु हो गई। अब तक यह स्थान तहस नहस हो चुका था। यहां के निवासी बिखरने लगे, बसाहट पश्चात इस स्थान को चंपाई ग्राम से जाना जाता है।

# मृत्यु संस्कार में भी गाए जाते हैं गीत

**शकुंतला वर्मा**

छत्तीसगढ़ में सोलह संस्कार में मृत्यु संस्कार भी विधिवत सम्पन्न होते हैं। जब मृत्यु पर शोक और विषाद का वातावरण छाया रहता है, जिसमें जन समूह का कंठ रूंध सा जाता है, तब गीत आदि के संयोजन का कोई अवकाश नहीं रहता। इस समय बंगला अजब बना.... हरि के नाम.... तरी लागे खांचा.... जैसे भजनों की प्रस्तुति होती है। इन तीनो गीतों के भावों में जन्म, शरीर और आत्मा का सम्बन्ध, पाप पुण्य का विचार के साथ नरक और स्वर्ग का उल्लेख होता है। मनुष्य का यह सुन्दर शरीर नश्वर है, आत्मा हंस के समान है। जन्म का कारण दया, धर्म और भाव भजन है। लोभ का त्याग और संसार के आकर्षण से दूर रहना चाहिए। पुण्यात्मा को नील हंस घोड़े पर चढ़ने को मिलता है और पापी को फांसी मिलती है। यमराज की पुरी में अग्नि के खम्बे हैं खून, पीप के कुंड हैं परन्तु स्वर्ग में मंगल ही मंगल है।

साप्ताहिक अखबार शहरसत्ता निरंतरता की ओर है। शहरसत्ता समाचार पत्र ने 10 अप्रैल को अपना एक वर्ष सफलता पूर्वक पूरा किया। मूलतः तटस्थ पत्रकारिता और समाज के लिए आईना दिखाने का हमारा संकल्प अनवरत जारी रहेगा। इस एक वर्ष के प्रकाशन में पत्रकार, पत्रकारिता और प्रदेश के लिए जो बेहतर हो सकता था वह हमने किया और आगे भी करते रहेंगे। शहरसत्ता ने सत्तापक्ष और विपक्ष दोनों को ही एक तराजू में तौलकर अपनी खबरों के माध्यम से तटस्थता का संदेश दिया है। हमारा प्रण है कि पूरी ईमानदारी से बिना किसी दबाव में आए और निःस्वार्थ भाव से सच्चाई को समाचार का स्वरूप भविष्य में देते रहेंगे। पुनः शहरसत्ता की सफलता के लिए परोक्ष-अपरोक्ष रूप से मिले सहयोग, समर्थन और संबल के लिए हम सभी का अभिवादन करते हैं।

## वो सच्ची खबरें जिसे हमनें प्रमुखता से उठाया

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक श्री सुकांत राजपूत द्वारा ए.आर. प्रिंटर्स, निरंकारी फर्नीचर के पीछे, पंडरी रायपुर से मुद्रित एवं शहरसत्ता, एस-15 प्रियदर्शिनी नगर, सेक्टर 1, मातृ-पितृ छाया अपार्टमेंट, रायपुर (छ.ग.), मोबाईल नं. 98271-81979, फोन नं. 0771-3158142, संपादक - सुकांत राजपूत (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार के लिए जिम्मेदार), महाप्रबंधक - प्रदीप चंद्रवंशी (मो. 70006-81023)। डाक पंजीयन - CG/RYP/DN/70/2025-27